
अंक १ वर्ष - मई २०१४
कॉमिक्स खज़ाना
CK
भारत की पहली फैन-निर्मित मासिक कॉमिक्स पत्रिका
Cover - A
प्रथम अंक
विशेषांक
पेपर टॉय मुफ़्त

EDITORIAL

प्रिय पाठकों,

स्वागत है इस पहले संस्करण में । ये एक प्रयास है उन पुराने दिनों की तरह ऐसी पत्रिका बनाने का जैसे बालहंस, नंदन, बाल भारती इत्यादि हुआ करती थी । फ़िलहाल तो हमारे पास कलाकारों की कमी है इसलिए हम आपके चहिते इंग्लिश कॉमिक्स को हिंदी में प्रस्तुत कर रहे हैं लेकिन साथ ही कुछ नवीन कृतियाँ भी हैं । इस पत्रिका को हमने मुफ्त रखा है मतलब हम सदस्यता का कोई शुल्क नहीं ले रहे हैं । इससे हम किसी भी प्रकार का कोई मौद्रिक लाभ नहीं कमा रहे है । लेकिन आने वाले समय में हम उम्मीद करतें हैं की आप सब अपनी अपनी रचनाओ और कला के रूप में योगदान करेंगे । जिनकी कृतियाँ इस बार प्रकाशित हुई हैं उनका नाम लिख कर उन्हें श्रेय देने की पूरी कोशिश की गयी है फिर भी ख़ास तौर आशुतोष सिंह राजपूत को कवर C के लिए और विशाल पाण्डेय और आर्ची ड्रीम कॉमिक्स को विभिनं सहायता के लिए धन्यवाद कहना चाहूँगा ।

एक और बात , हमारा कॉमिक्स कॉपीराइट के हनन की कोई मंशा नहीं है इसलिए इसके मालिकाना हक वालों को अगर कोई भी समस्या हो तो वो हमारे ईमेल पर हमसे संपर्क कर सकते हैं । आप सब से निवेदन है के आप सब अपने विचार हमे मेल करें या फेसबुक पेज पर भेजे जैसे हम बेहतर कैसे बन सकते हिं , आप को क्या पसंद-नापसंद है । आपके सहयोग से ही हम अगला संस्करण निकाल पाएंगे । उम्मीद करता हूँ की जून में फिर मुलाकात होगी ।

अंत में, मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूँ की जूनून को ज़िन्दा रखें, आने वाली पीढियों में कॉमिक्स कल्चर को बढ़ावा दें और BUY COMICS & SAVE COMICS INDUSTRY !

आपका,

Dr. Alucard

https://ComicsJunction.Stck.Me

comicskhazana14@gmail.com

https://www.facebook.com/comicskhazana

INDEX


स्पाइडरमैन
इंडिया
Project Evolution


पवित्र
प्रभाकर
तुम्हारा भाग्य तुम्हारे लिए
इंतजार कर रहा है !!!!!!!!!
पवित्र !!!!


AAAAAAAAHHHH!
आह !!!
तुम ठीक हो ? बुरा सपना देखा ?
भीम चाचा, यह कब तक होगा ?
ARCHIE XTREME - PROJECT EVOLUTION
अब तुम अपना अतीत भूल जाओगे , पवित्र
कई साल पहले तुम्हारे माता पिता की मृत्यु हो गई । हम सभी को उनकी याद आती है...
आज तुम्हारे स्कूल का तीसरा दिन है, लेट मत होना !!!
हममम.....
भीम,उसके स्कूल की फीस बहुत अधिक है..
माया, वह एक अच्छा विद्यार्थी है । हम उसके भविष्य को बर्बाद नहीं कर सकते हैं...
Heritage International इस शहर का एक शीर्ष स्कूल है
हम किसी भी तरह रह जाएगे ..


"Heritage International"
OMG !!! यह मैं क्या देख रहा हूँ ?
उसे किसने अंदर आने दिया ?
कोई पागलखाने कॉल करो ...
ओए धोती पहने लड़के ....
उसके पैरों के बजाये AIR BAGS हैं ... lolz....
Look girls, it's the first I.B.C.D.--Indian Born Confused Desi!
भगवान.. मैं इस जगह से नफरत करता हूँ ....
पवित्र ,एक मिनट..
तुम क्या चाहती हो?


WHOA !!! मुझ पर गुस्सा मत करो ...
Meera !! Meera Jain !!! क्षमा करें, मैं नहीं जानता था...
Hey मैं सिर्फ मजाक कर रही हूँ
Um...
वह वास्तव में मुझसे बात कर रही है ?
उन पर ध्यान देते मत करो दो .. उनमें शिष्टाचार नहीं है
मुझे पता है कि तुम कैसा महसूस करते हो
मैं भी अमरावती के निकट एक गांव से हूँ
हाँ वह मुझसे ही बात कर रही है..
मेरी माँ मुझे हर रोज सलवार कुर्ता पहना कर भेजती है और मैं स्कूल जल्दी आ कर Jeans Top पहन लेती हूँ ..
उसकी प्रशंसा कैसे करूँ ??
Uhhh... um.
कई वर्षों के बाद मेरे माता पिता मुझे समझे
अपना ख्याल रखो.. सब ठीक हो जाएगा
Uhhh... thanks, M.J....I um...
पवित्र तुम जानते हो, तुम शाहरुख खान नहीं हो..
मुझे जाना है वरना मुझे क्लास के लिए देर हो जाएगी



"MUMBAI"
मुझे लगता है कि यह पर्वत की तलहटी के पास कहीं है, ऑबरोय भाई
लेकिन अंधविश्वासी ग्रामीण हमें पहाड़ियों के पास नहीं जाने देते...
HEADQUARTERS OF THE OBEROI CORPORATION. ELSEWHERE IN MUMBAI...
हम आपके आदेश पर गांव को नष्ट कर देगे ...
लेकिन आप उस वस्तु को क्यों चाहते है ? आप इस दुनिया में कुछ भी खरीद सकते हैं..
लेकिन मैं यह नहीं खरीद सकता हूँ , Chirkut ...
मेरा मकसद कभी नहीं पूछना , तुम केवल ताबीज की खोज जारी रखो
मैं किसी भी कीमत
पर ताबीज चाहता हूँ ..
गांव और ग्रामीणों को...
नष्ट कर दो


MEANWHILE...
मैं जानता था कि तुम यहाँ होगे
पवित्र क्या तुम्हें अपने नए स्कूल में समस्या हो रहा है ?
मुझे इस जगह से नफरत है चाचा भीम, काश हम हमारे गाँव छोड़ कर कभी नहीं आते
दूसरे बच्चों ने मेरा मजाक बना रखा है .. काश मैं उन्हें जवाब देने के लिए मजबूत होता ..
नहीं ऐसा नहीं करते हैं पवित्र ...
गांव में उच्च अध्ययन का कोई अवसर नहीं है .. तुम्हें बहुत प्रतिभाशाली हो ...
एक दिन तुम्हारी किस्मत बदल जाएगी और इस देश को तुम पर गर्व होगा ... लेकिन तुम्हें नफरत से कुछ नहीं मिलेगा
लेकिन उन बेवकूफों के शब्द ...
तीव्र पीड़ा पहुँचाते हैं ... मुझे पता है कि तुम कैसा महसूस करते हो.. हर वस्तु की अपनी कीमत होती है ...
लेकिन महान शक्तियों के साथ ...
महान जिम्मेदारी आती है...


THE NEXT DAY...
ओबेराय भाई, मैं आप से आग्रह करता हूं...ताबीज का उपयोग नहीं करें...यह मनुष्य के लिए नहीं है
मैं तुम्हें सुझाव देने के लिए पैसे नहीं दे रहा हूँ ... चुपचाप अनुष्ठान कर .. और इस ताबीज को सिद्ध कर..
मैंने 10 साल इसके लिए इंतज़ार किया है..
जैसा आप कहते हैं ..
हम शुरू करते हैं..
आख़िर कार ...
यह शुरू हो गया है ... मैं शक्ति महसूस कर सकता हूँ
मुझे ...
NNAAARRRGGHHH--
BAKROOM!
Oh, no...
-AAAARRRRGGGHHHHH!
यह बहुत तेजी से हो रहा है, मैं इसे नियंत्रित नहीं कर सकता ..
I'm going to..


...EXPLODE!
GRRAAAAAAHHHHRRR!



यह बहुत सामान्य बात हो रही हैं
हर रोज मैं उनसे डर कर भाग जाता हूँ ..
वह वहां है..
उसे पकड़...
अब वह हमसे दूर नहीं भाग सकता है
वक्त आ गया है ...
ulp--!
अपने भाग्य का सामना करने के लिए समय आ गया है पवित्र
कौन हैं...
मैंने आपको पहले देखा है ...


अब कोई भी तुम्हें बचा नहीं सकता है
पीटने के लिए तैयार हो जाओ..??
तुम एक कमजोर को कष्ट क्यों दे रहे हो ?
Dude... हमें भाग जाना चाहिये
आप कौन हैं ?
बेटा ध्यान से देखो ..
तुम ब्रह्मांड दिखाई देगा...
क्रमशः

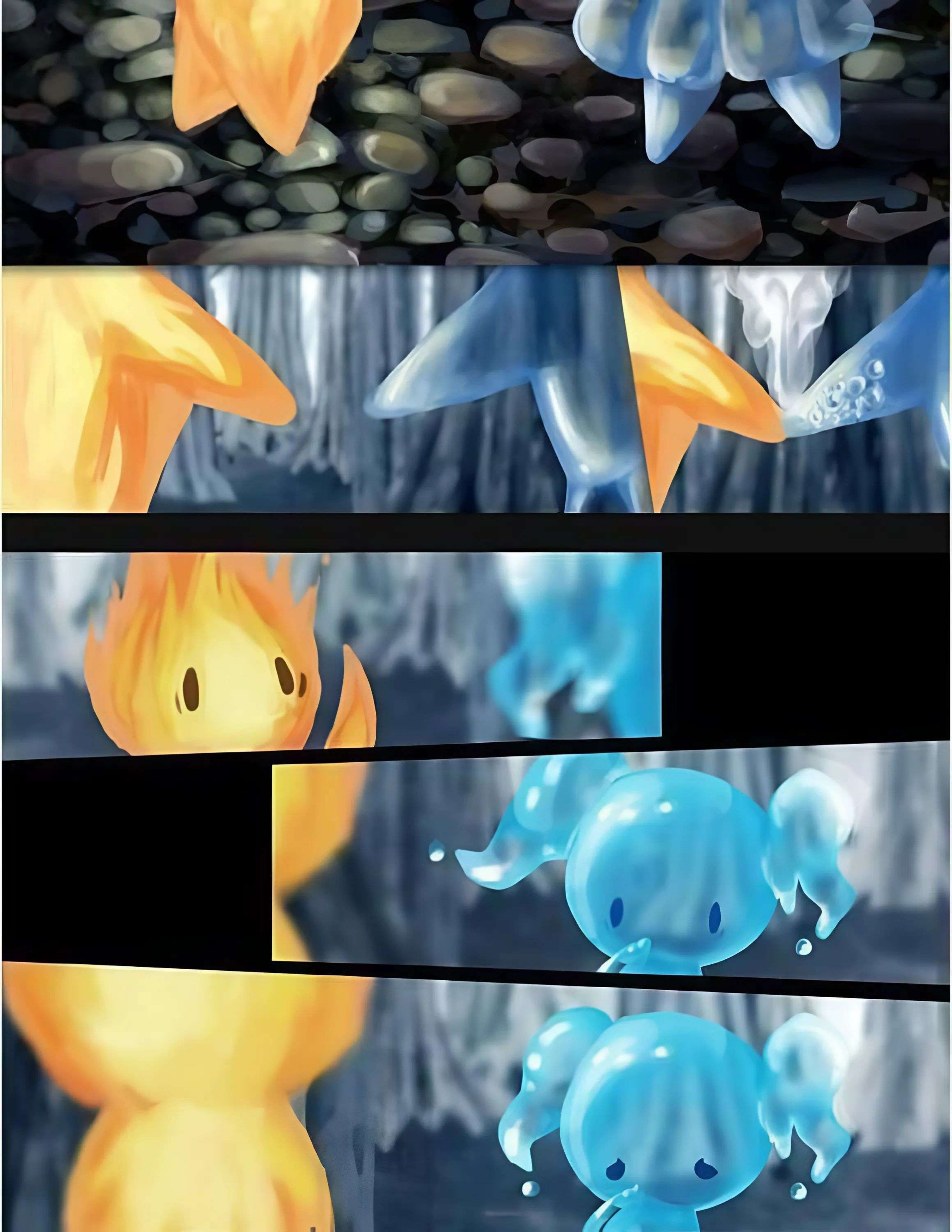


डांस पार्टी
Navneet Singh 26-2-14
विसर्पी, इन गट्ठमरों के सामने मत नाचना !!
अबे वो नगीना है, विसर्पी नहीं
Hulk likes डांस
अरे ओ Hulkat कितने आदमी आए हैं आज डांस पार्टी पर?
गला फट जाएगा कोबी आज तो डांस पार्टी है भाई
पूरे ज्यूपीटर पर ऐसा नजारा नहीं देखा
तुम्हारी चाची को पता लग गया तो मेरी खैर नहीं ! नजारा अच्छा है !
ये नगीना तो पटाखा है यार!
ज्यूपीटर का तो पता नहीं पर Gotham में तो नहीं है ऐसा नजारा
चाचा जी ! चिन्ता मत कीजिए ! सब औरतें इकट्ठा गप्पें मार रही हैं
लेकिन इस strip में कोई गड़बड नहीं होनी चाहिए आज मेरा 'No झगडा' व्रत है
नहीं होगी। मैंने नवनीत को बोल दिया है
वाह
तो फिर शुरु करो भाई। आह् आह्
अंगारा द्वीप पर जानवर देख देख कर Bore हो गया था !
हाँsss जब तक है जहर मैं नाचूंगी
HULK LIKES जहर
नागिनों से तो प्यार है मुझे हिस हीहीही
NOW HULK SMASH
ले ले मजा
HULK BURNT
अब बोल ! "HULK LIKES पिछवाड़े पे आग" हा हा हा!
YOU MAKE HULK FUN
अबे इस मोटे खटमल को बुलाया किस गधे ने था !
बुढ़ापे में मरवाओगे भगा भगा के मुझे
आज मेरा व्रत है बच गया मोटा
भागो
भागो पागल आया !! एक हरी मोटी गाय पागल हो गई है !


















yawn









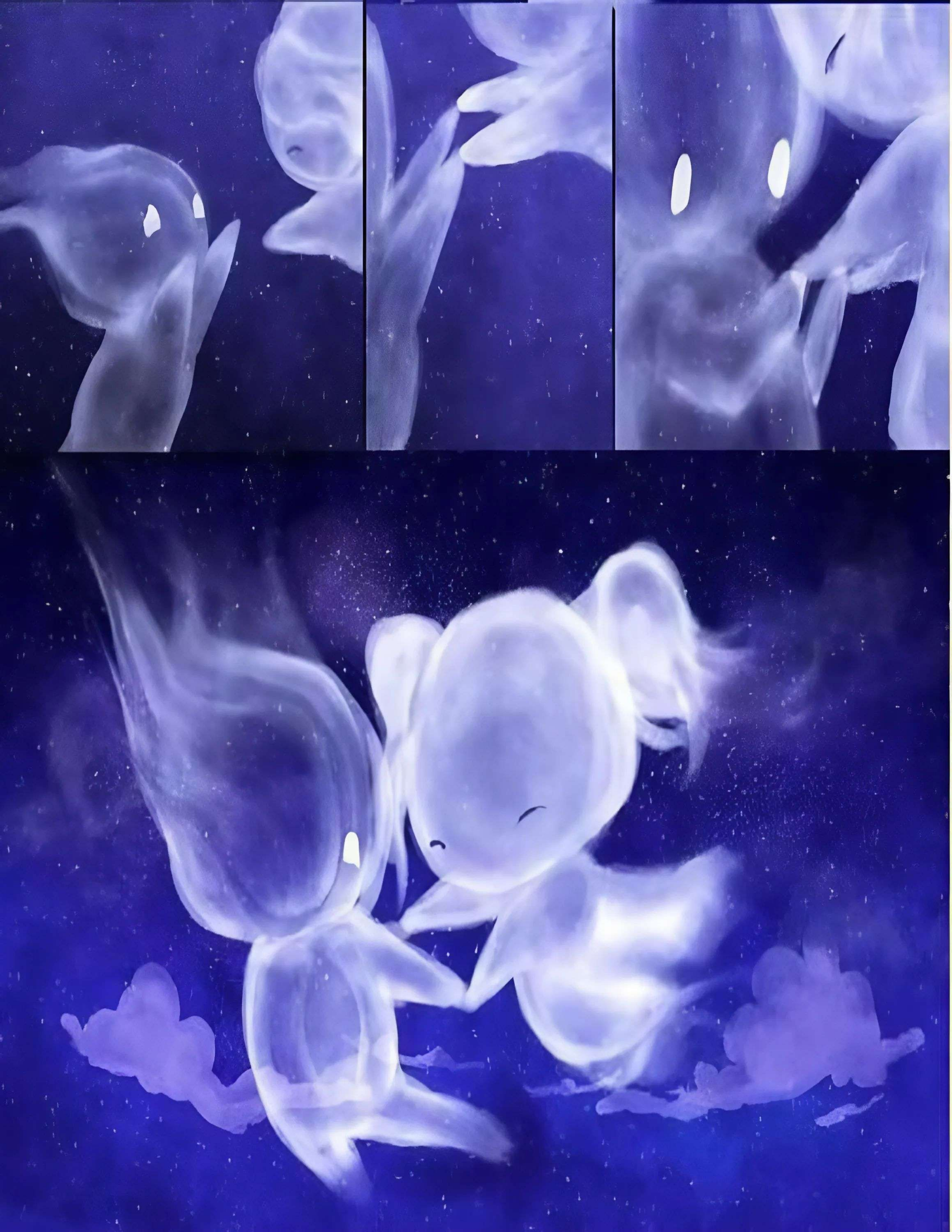



yawn
Z Z Z
yawn









SUPERHEROES CLASH
https://ComicsJunction.Stck.Me

इंस्पेक्टर स्टील [Inspector Steel] ~~~~

Steel

• उत्पत्ति ---- एक दुखद दुर्घटना में इंस्पेक्टर अमर ने अपने शरीर के मुख्य अंगो को खो दिया। उनकी जान बचाने के लिए प्रोफेसर अनीस ने उनके दिमाग को एक मशीनी बॉडी में ड़ाल दिया जिससे वो एक साईबोर्ग [एक रोबोट जिसका दिमाग इंसान का हो] बन गये ।



• गुण ----

Height: 7 feet (2.1 m)

Weight: 450 kg (1,000 lb)

Mainframe : Stainless steel

Age: पांच साल बतौर इंस्पेक्टर स्टील

Area of Operation : Raj Nagar

Rank : Police Inspector

• इंस्पेक्टर स्टील एक भारी कवच वाले साईबोर्ग है जिसे किसी साधारण हथियार से नुक्सान नही पहुचाया जा सकता।

• उनके पास X-Ray द्रष्टि है और पूरी तरह से आटोमेटिक बुलेट्स और राकेट फायर करने वाली बंदूके और लांचर और एक मेगागन उनके शरीर में इंस्टाल है।

• स्टील के पास स्कैनर,लाइ डिटेक्टर,फैक्स आदि जैसे कई आधुनिक उपकरण है। उनकी बॉडी किसी भी बाहरी दखल से बचने में समर्थ है।

• उनका शरीर चिप्स और तारो के जरिये उनके दिमाग से जुड़ा है वो अपने दिमाग के जरिये अपने शरिर को काबू करते है।



जब जब दुनिया में पाप की अति होती है तब तब जन्म होता है ऐसे इंसानों का जो बनते हैं नायक
और ये सिर्फ न्यूयॉर्क के ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के हैं नायक
RARR!
AVENGERS ASSEMBLE


STARK TOWER, NEW YORK CITY
चलो आज कुछ नया है वरना मैं तो विशालकाय रोबोट से लड़-लड़ कर बोर हो गयी थी
IRON MAN! HULK! WASP! ड्रैगन को उलझाये रखों...
जब तक हम लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दें
ये भी स्टार्क टावर पर हमला कर रहा है !
लगता है पूरी कायनात स्टार्क टावर को नेस्तोनाबूत करना चाहती है
THE AVENGERS
EARTH'S MIGHTIEST HEROES
in
ENTER the MANDARIN
CHRISTOPHER YOST WRITER
CHRIS JONES PENCILS
VICTOR OLAZABA INKS
SOTOCOLOR COLORS
VC's CLAYTON COWLES LETTERS
ELLIE PYLE ASST. EDITOR
TOM BRENNAN ASSOC. EDITOR
STEPHEN WACKER TEAM MASCOT
AXEL ALONSO EDITOR IN CHIEF
JOE QUESADA CHIEF CREATIVE OFFICER
DAN BUCKLEY PUBLISHER
ALAN FINE EXEC. PRODUCER


HULK SMASH!
ROOOAARR!
CHOOOM
ये इतना आसान नहीं होगा हल्क
ZARK ZARK
HNF!
WAP
ड्रैगन और पौराणिक जीवों से लड़ने का विशेषज्ञ थॉर है .. वो कहाँ गया ?
छुट्टी पर !
क्या? उसे ये ही वक़्त मिला था एस्गार्ड छुट्टी पर जाने का? उसे यहाँ होना चाहिए था
हाँ ज़रूर मैं अकेला निपट लूँगा.. तुम सब आराम करो
हॉकआई, तुम ड्रैगन की पूँछ संभालो
तुम्हारा मूड क्यों ख़राब है ?
वास्प, वो ड्रैगन मेरे टावर को नष्ट करना चाहता है! इस बात पर मैं खुश तो नहीं हो सकता
ओफ़ों .. तुम्हारा मूड तो फेसबुक वाले
ग्रुम्पी बिल्ली से भी ज्यादा ख़राब है !


वास्प बचो ...
आअहह
IRON MAN!
FWASHH
चेतावनी ! कवच को 50 % हानि
CHOOOOM
मैं आपको अगली बार ड्रैगन की आग से बचने का सुझाव दूँगा सर
जारविस, तुम्हे क्या लगता है ?
मैं इतनी देर से क्या करने की कोशिश कर रहा हूँ ?
अगर तुम्हारी बातें ख़त्म हो गयी तो ये भी सुन लो
ड्रैगन हम पर अभी भी हमला कर रहा है.. उसे रोकने पर ध्यान लगाओ
आह...
SHRAM
IRON MAN!
क्रमशः

हिंदी कामिक और भारतीय समाज का दृष्टिकोण

संजय सिंह



"क्या अभी तक कामिक्से पढते रहते हो। अब तो तुम बडे हो गए हो।"

"बकवास है ये। सिर्फ पैसो की बर्बादी।" और ना जाने क्या-क्या।

जो लोग इस वक्त ये लेख पढ रहे है उन्हे अपनी जिंदगी मे अक्सर ऐसी या फिर इन से मिलती जुलती टिप्पणियां सुनने को मिली होगी। जो लोग बचपन से लेकर अब तक कामिक्सो के प्रति अपने जुनून को बरकरार रखे हुए है उन्होने काफी हिम्मत और धैर्य का परिचय दिया है। और सलाम है ऐसे सभी जुनूनियो को जिन्होंने परिवार, दोस्तो और समाज के तानो और डांटो की परवाह ना करते हुए भी भारतीय कामिक जगत के निर्माण और विकास मे अपना अमूल्य योगदान दिया है।

लेकिन कामिक्सो को लेकर भारतीय समाज इतना उत्साह हीन क्यों है? क्यों एक उम्र के बाद ऐसा लगने लगता है कि अब इन्हे पढना छोड देना चाहिए और उम्र के साथ नए शौक रखने चाहिए। क्यों कामिक्सो को सिर्फ बच्चो की ही चीज माना जाता है? इस लेख से पहले भी इस विषय पर और जगहों पर काफी चर्चा हो चुकी है। लेकिन अगर कोई उन चर्चाओं का गवाह ना बन पाया हो तो वो यहाँ इस विषय पर जानकारी हासिल कर सकता है। ज्यादा कुछ नया तो नही बता पाऊँगा लेकिन नए लोगो को वो चीजे भी नई ही लगेगी।

कामिक्से सिर्फ बच्चो की चीज :

भारत मे कामिक्सो को सिर्फ बच्चो से ही जोडा जाता है। अगर कोई युवा कामिक्सो मे दिलचस्पी रखता है तो उसका मजाक उडाया जाता है। लेकिन कामिक्से सिर्फ बच्चो तक ही सीमित नही होती। हर उम्र का व्यक्ति इन्हे पढ सकता है। बाहर (अमेरिका, जापान, युरोप) मे तो हर उम्र वर्ग के लोग कामिक्से पढते है। तो क्या वजह है कि भारत मे इसके साथ ऐसा बर्ताव होता है। इसकी वजह हमारा सामाजिक तंत्र है जिस ने अपने आप को काफी सिकोड रखा है। कामिक्सो का जिक्र करते है सबसे पहले दिमाग मे नाम आते है चाचा चौधरी और नागराज। चाचा चौधरी और साबू और बाकी डायमंड कामिक्स के किरदार ज्यादातर कार्टून है। और कार्टून बच्चो को पसंद आते है। इसलिए लोगो ने ये सोचना शुरु कर दिया कि कामिक्से सिर्फ बच्चो की ही चीजे है और अपनी इसी सोच को वो दूसरो पर भी थोपते रहते है। जहाँ तक नागराज और बाकी सुपर हीरोज की बात है तो बाकी दुनिया के लिए (कामिक फैन्स के अलावा) ये सब बकवास है। ये हकीकत मे संभव नही है और जो हकीकत मे नही है उस के बारे मे जानने से क्या फायदा। यहाँ लोगो की मानसिकता पर यथार्थ बहुत बुरी तरह से हावी है। भारतीय समाजिक व्यवस्था इतनी जटिल हो गई है कि कोई थोडी देर के लिए भी यथार्थ की दुनिया को छोडकर, काल्पनिक दुनिया मे नही जाना चाहता। यही वजह है कि कामिक्सो का शौक ज्यादातर लोग सिर्फ बचपन तक ही रख पाते है। और एक उम्र के बाद वो इस से पीछा छुडा लेते है।

कामिक्सो की बच्चो की चीज समझते हुए भी अक्सर अभिभावक अपने बच्चो को इस से दूर रखते है। और इसके पक्ष मे निम्न तर्क देते है:

पढाई पर बुरा असर:

जितने भी हिंदी कामिक फैन है उन सब ने एक बार तो किताब के बीच मे कामिक रख कर जरुर पढी होगी। तो अगर मैं ये कहूं कि हम ने एक बार ही सही लेकिन अपनी पढाई का कुछ भाग कामिक पढने मे खर्च कर दिया तो वो गलत ना होगा। और इसी एक तर्क को देकर अभिभावक अपने बच्चो को कामिक्सो से दूर रखते है। उनका कहना है कि कामिक्सो से बच्चो की पढाई प्रभावित होती है। दूसरे शब्दो मे कहा जाए तो वो लोग अपने बच्चो के हाथो मे सिर्फ कोर्स बुक्स ही देखना चाहते है। कम से कम स्कूल टाईम तक।

हिंसा और अश्लीलता:

एकशन और कामेडी। ये दो categories भारतीय कामिक्सो मे प्रमुख रही है। कामेडी मे भी एकशन का समावेश होता है लेकिन वो ज्यादा नही होता। एकशन कामिक्सो मे मार-धाड तो होती ही है। हारर कामिक्सो मे तो बहुत खून-खराबा भी होता है। साथ ही कभी-कभार कहानी की मांग पर कुछ ग्लैमरस सीन्स भी होते है। बडे लोग नही चाहते कि उनके बच्चे इन सब चीजो की संगत मे आए। इन दो चीजो को भी वो कामिक के खिलाफ इस्तेमाल करते है। और बच्चो को कामिक से दूर रखते है।

ये तो था भारतीय समाज या फिर कह लीजिए एक औसतन भारतीय का हिंदी कामिक के प्रति दृष्टिकोण। लेकिन अब देखते है उस नजरिए से जिसे भारतीय समाज नजरअंदाज कर के इस नतीजे पर पहुंचा है।

सिर्फ बच्चो की ही चीज नही है कामिक:

कामिक को सिर्फ बच्चो को चीज मानना, कामिक के साथ-साथ उसे बनाने वालो वालो की काबलियत का भी अपमान है। कामिक्से बच्चे नही बनाते। उन्हे बनाने वाले एक आम आदमी से ज्यादा कल्पना शक्ति और नजरिया रखते है। और जब ऐसे लोग कोई चीज बनाते है तो उसकी तुलना किसी साधारण वस्तु से नही की जा सकती। लोग कामिक्सो मे लिखी हुई कहानी को कोरी गप्प बताते है। लेकिन यही लोग अपने बच्चो को एक कहानी भी ढंग से नही सुना सकते। कुछ लोग कामिक्सो मे छपने वाले चित्रो का मजाक उडाते है। लेकिन यही लोग कागज पर पेंसिल से एक सीधी लकीर तक नही खींच सकते।

कामिक्से पढाई और ज्ञानवृद्धि मे सहायक:

जो लोग कामिक्सो को पढाई के मार्ग मे बाधा मानते है उन्होने शायद अपने जीवन मे कभी कामिक्से पढी ही नही है। अगर एक बार पढ लेते तो कामिक्सो के विरोध मे ये तर्क कभी नही देते। कामिक पढने से हमारी पढने की क्षमता मे इजाफा होता है। साथ ही हमारी रचनात्मक सोच मे भी वृद्धि होती है। मैंने अक्सर पाया है कि मैं दूसरे लोगो से जल्दी पढ लेता हूँ। साथ ही हमे विज्ञान, भूगोल, इतिहास, समाजिक व्यवस्था का बहुत सा ज्ञान बहुत ही सरल तरीके से प्राप्त होता है। जितने भी कामिक प्रशंसक है वो इस बात से भली-भांति परिचित है। पहले कामिक प्रेमी पत्र के माध्यम से संपादकों तक अपने संदेश पहुंचाते थे और उसमे इस बात का जिक्र भी करते थे कि उनके अभिभावक कामिक्सो को पढाई के लिए खतरा नही मानते। साथ ही बहुत से गैर-हिंदी भाषी पाठक भी अपनी हिंदी को सुधारने के लिए लिए हिंदी कामिक्सो का सहारा लेते है।

कामिक्सो मे अक्सर प्रतियोगिताएँ भी देखने को मिलती है। कुछ ज्ञान पर आधारित होती है और कुछ कल्पनाशक्ति पर। दोनो ही तरह से ये प्रतियोगिताएँ हमारे लिए फायदेमंद होती है।

हिंसा और अश्लीलता। सिर्फ कामिक ही क्यों?

जहाँ तक कामिक्सो को हिंसा और अश्लीलता परोसने का माध्यम कहने की बात है तो सिर्फ कामिक्से ही क्यों, मूवीस और टेलीविजिन सीरियल को भी कतारबद्ध किया जाना चाहिए। इस मामले मे देखा जाए तो अभिभावको का नजरिया पूरी तरह से भेद-भाव पूर्ण रहा है। कामिक के मामले मे एक बात पूरे विश्वास के साथ कही जा सकती है कि हिंदी कामिक्सो का मकसद सिर्फ मनोरंजन प्रदान करना ही नही, बल्कि साथ ही पाठको को नैतिक शिक्षा प्रदान करना भी रहा है। भारतीय कामिक्से एक संदेश के साथ खत्म होती है। कामिक के अंत मे सत्य और न्याय की जीत (जो कि अक्सर ज्यादातर हिंदी कामिक्सो मे दिखायी जाती है) पाठकों को आशावान और उर्जावान बनाती है। लेकिन फिल्मो और टी वी सीरियलस मे इस संदेश का आज कल कोई नामो निशान नही रह गया है। उनका मकसद सिर्फ पैसा कमाना रह गया है। चाहे इसके लिए कितनी भी अश्लीलता और हिंसा दिखानी पडे। या फिर नैतिक मूल्यो को ताक पर रख कर आदमी को निम्न से निम्नतर स्तर पर दिखाना पडे। (जैसा की टी वी सीरियल् को लंबा खीचने मे किया जाता है।) लेकिन लोगो को इन चीजो मे कोई बुराई नजर नही आती। उन्हे बुराई के दर्शन सिर्फ कामिक्सो मे ही होते है। और इसकी सबसे बडी वजह है हमारा संकीर्ण दृष्टिकोण।

दुनिया के बाकी देशो मे शायद इसी लिए कामिक सभी उम्र वर्ग के लोगो मे लोकप्रिय है क्योंकि वहाँ लोगो का नजरिया खुला है और वो हर चीज की अच्छाई और बुराई की परख करना हम से बेहतर जानते है। आज दुनिया भर मे कामिक्सो पर आधारित फिल्मे (स्पाईडर मैन, बैट मैन, आयरन मैन, इत्यादि) धूम मचा रही है। भारत मे भी लोग इन्हे बडे शौक से देखने जाते है। लेकिन जब बात हिंदी कामिक्सो की आती है तो वे नाक-भौं सिंकोड लेते है।

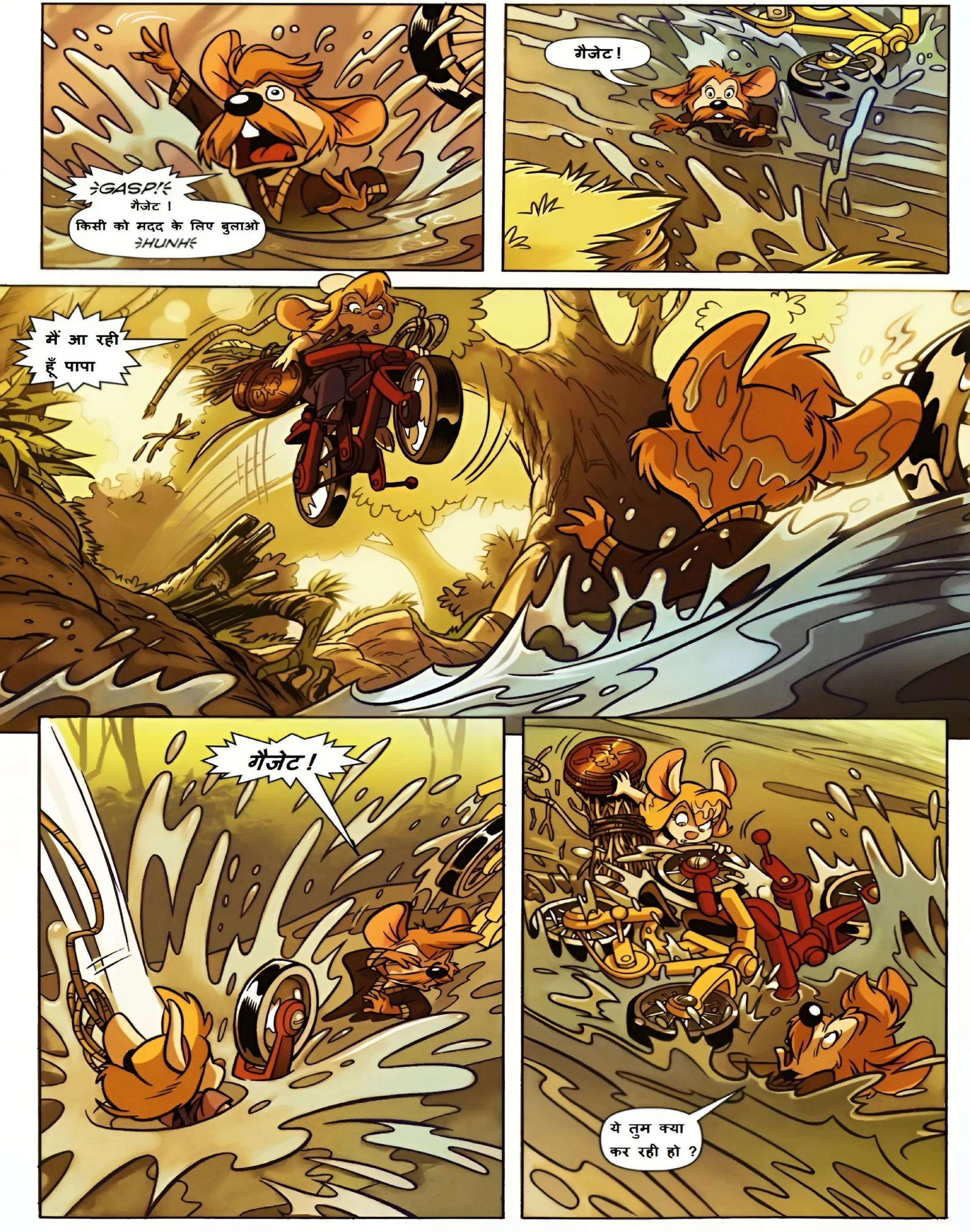
आज के इस तकनीकी युग मे (iphone, pc, video games) कामिक्सो को गुजरे हुए वक्त की चीज माना जाता है। हिंदी कामिक को प्रोत्साहित करने के लिए बहुत ही कम लोग रह गए है। लेकिन हम से भी ज्यादा उन्नत देशो मे आज भी कामिक्सो का चलन है और वो लोगो के लिए रोजगार और मनोरंजन दोनो उपलब्ध करा रही है। और भारत महान मे हिंदी कामिक अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करती नजर आ रही है। और इसकी वजह वही है। पाशचात्य संस्कृति का अनुसरण करना और घरेलू उत्पादो का तिरस्कार करना। हम उन लोगो के पीछे तो आँख बंद कर के चल देते है लेकिन कभी खुद की सोच को उन के जैसा बनाने का प्रयास नही करते। और जो लोग ऐसा प्रयास करते है उनका मजाक बनाया जाता है। जैसे हमारी हिंदी कामिक्से। शिक्षा के अच्छे स्तर तक पहुंचने के बावजूद भी भारतीय समाज की मानसिकता अभी भी वही की वही है। और इस से सिर्फ हिंदी कामिक्सो को ही नही बल्कि दूसरे घरेलू उत्पादो को भी नुकसान पहुंच रहा है।

संतोषजनक बात ये है कि अब पुराने हिंदी कामिक प्रेमी सोशल नेटवर्किंग साईटस के जरिए फिर से सक्रिय हो रहे है और अपने अनुभव नई पीढी के साथ बांटकर उन्हे भारत मे कामिक संस्कृति की जानकारी दे रहे है। भारत मे हिंदी कामिक के भविष्य पर जो सवाल बने हुए है उनका जवाब देने मे ये प्रयास काफी तो नही है लेकिन फिर भी इस से उम्मीदें एक बार फिर जाग उठी है। और उम्मीदों पर ही तो दुनिया कायम है।

कॉमिक्स ट्रेंड फिर बढाए



आराम से गैजेट , धीरे धीरे चलाओ !
बिलकुल सही जा रही हो
लेकिन मोड़ पर तुम अपनी ..
...स्पीड कम रखना !!
मदद के लिए शुक्रिया , डैड
YOU'RE WELCOME.
अब तुम बड़ी हो गयी हो । वक़्त आ गया है की तुम अपने निर्णय ख़ुद लो ।
अब तो तुम सयानी हो गयी हो । अब तुम्हारे हाथ पीले करने के दिन हैं ..
जल्द ही तुम मुझसे दूर हो जाओगी या फिर मुझे कहना चाहिए की तुम्हें मेरी ज़रुरत नहीं होगी ...
DAD, NO!


GASP!
गैजेट !
किसी को मदद के लिए बुलाओ
HUNH
गैजेट!
मैं आ रही हूँ पापा
गैजेट!
ये तुम क्या कर रही हो ?


संभल कर बेटी ..
आप इसे कस कर पकड़ लीजिये
VRRPPPMM
डाल को पकड़ो !
गैजेट तुमने तो चमत्कार कर दिया । लेकिन तुमने ये किया कैसे ?
पता नहीं । मेरा पूरा ध्यान सिर्फ आपको बचाने में था !
मेरी बच्ची ये तुम्हारे तेज़ दिमाग और हुनर का कमाल है । तुमने सिद्ध कर दिया की लड़कियां किसी भी प्रकार लडको से कम नहीं हैं । मुझे पूरा विश्वास है की ..
.. तुम्हारा ये हुनर ..

कॉमिक्स जंक्शन की रोमांचक दुनिया में आपका स्वागत है, जहां रचनात्मकता की कोई सीमा नहीं हैं। हम सिर्फ एक कॉमिक्स फैंस के समूह नहीं हैं, हम कल्पना, रोमांच और कलात्मकता के ब्रह्मांड का प्रवेश द्वार हैं। 🦋

❁ आप हमसे सभी प्लेटफार्म (सोशल-मीडिया) पर जुड़ सकते हैं। ❁

Facebook Page ⇛ JOIN NOW

Facebook Group ⇛ JOIN NOW

ChatWise Group ⇛ JOIN NOW

WhatsApp Group ⇛ JOIN NOW

Telegram Channel ⇛ JOIN NOW

New Comics Updates ⇛ JOIN NOW

Visit Website ➪ https://ComicsJunction.Stck.Me

नोंट : किसी भी चैंनेल/पेंज या ग्रुप मे ज्वॉइन होने के लिए JOIN NOW बटन पर क्लिंक करें।


.. तुम्हें एक दिन बहुत महान बनायेगा ।
WORLDWIDE RESCUE PART 1
WRITER: IAN BRILL
ARTIST: LEONEL CASTELLANI
COLORIST: JAKE MYLER
LETTERER: JASON ARTHUR


वर्तमान
किसी ने सही कहा है - नाली नर्क का द्वार है ... हा हा हा
ये मजाक का वक़्त नहीं है । केस की गंभीरता समझो ।
और इस जानलेवा बदबू का क्या ? ये भी मजाक है ?
यहाँ कोई बद ..
यक्क
हिम्मत रखों दोस्तों
मैं यहाँ के चप्पे-चप्पे से वाकिफ़ हूँ- हर मोड़ हर ख़तरे को जानता हूँ
सुपर-की का पहला भाग वहां होना चाहिए !!!
AAAHHH!


मैं जब पिछली बार यहाँ आया था तब शायद ये सब अंडो में होंगे तभी मोंटी जैक को नहीं पहचानते !!
अब तुम ये भी बता दो की कितने ख़तरे तुम्हें और तुम कितने खतरों को नहीं जानते हो ?
ज़िपर जाओ उनका ध्यान बताओ !
फ़िलहाल उसका अनुभव और स्थिति हम सब से बेहतर है


कुछ वक़्त पहले
!
RR
?





क्या हमें जिपर को उन मगरमच्छों के पीछे अकेले जाने देना चाहिये ? तुम्हे लगता है की इतनी थकान के बावज़ूद वो उनसे अकेले निपट सकता है ?
तुम सही बोल रहे हो चिप .... ये बहुत खतरनाक होगा लेकिन सिर्फ उन ....
मगरमच्छों के लिये !
अच्छी बात है जिपर लेकिन उस हमले के बाद हम गलत मोड़ में घूम गए हैं । खैर अच्छी खबर ये है की मेरे पास इन मुन्सिपाल्टी नालियों का एक नक्शा है ।
तुमने क्या ?
मोंटी के होते हुए किसी नक़्शे की आवश्यकता नहीं है चिप । क्या तुम्हें मुझ पर भरोसा नहीं ? मुझे यहाँ का हर कोना पता है ।
अब गैजेट मेरे बताये शॉर्टकट पर चलो । मैं तुम्हें सीधे "सुपर-की" के पहले हिस्से तक ले चलूँगा।



हे भगवान ! यहाँ तो नाले का प्रवाह बहुत तेज़ है !
ओह दोस्तों .. घबराओ मत। हम लोगों ने इससे भी बुरी मुश्किलों और परिस्तिथियों का सामना किया है। हम इससे भी निपट लेंगे।
मुझे पता है
AAAGGHHHH!
मॉंटी तुमने हमें अब ये कहाँ फंसा दिया ?
मम्मी !!! मुझे घर जाना है ... अभी जाना है ... बचाओ !!
क्रमशः

कालकोप

PART - 1

इन न्यूज़ रिपोर्टर्स को कोई ना कोई काम मिलता ही रहता है....रोज की तरह आज भी ये किसी सनसनी खेज खबर के लिए निकल पड़े हैं। पर आज इनके लिए कुछ अलग दिन है,,आज ये हिमालय की चोटियों में छिपे रहस्यों का पर्दाफाश करने के फिराक में हैं।

मैक- यार पापी पेट के लिए कितने पापड बेलने पड़ते हैं,,दिनभर हाथों में कैमरा पकड़ के दुनियाभर की बकवास शूट करते रहो।

श्याम- येही हमारी जिंदगी है मेरे दोस्त,,इसी के हमें पैसे मिलते हैं,जितनी तगड़ी खबर उतने तगड़े पैसे।

मैक- मै ऐसी जिंदगी के लिए नहीं बना था,मेरा तो जंगली जानवरों की शूटिंग में इंटरेस्ट है पर आर्थिक तंगी के कारण.....

नंदिता- तुमलोग अपनी बहस बंद करो हमें हमारा मिशन मिल गया,,नक़्शे के मुताबिक़ हमें वहाँ ऊपर चढ़ाई करनी है और अपनी खोजबीन शुरू करनी है।

मैक- ओ हेल्लो मैडम !! हम रिपोर्टर्स हैं कोई पर्वत चढ़नेवाले नहीं।

नंदिता- अगर ये नहीं किया तो नौकरी गयी समझो,,आगे बढ़ो दोस्तों।

नमन- गए काम से।

बमन- हाँ भाई,,ये नंदीता आज मरवाएगी।

नंदीता- तुम दोनों भाई क्या खुसुर फुसुर कर रहे हो सीधे-सीधे उपर चढो हमलोगों का सारा सामान तुम्ही दोनों को उपर तक पहुचना है।

भारी मशक्कत के बाद आखिरकार ये दिग्गज अपने लक्ष्य तक पहुच जाते हैं,,वो लक्ष्य जो असल में चोटी पर स्थित एक गुफा है जहाँ इससे पहले कोई भी मीडिया नहीं गयी थी।

श्याम- हमें इस गुफा की बारीकी से जांच करनी है कोई भी अनजान चीज़ मिलते ही खबर करना,तो काम पे लग जाओ।

मैक- धुल और मिट्टी के अलावा यहाँ शूट करने के लिए कुछ भी नहीं है,,रुको....हे दोस्तों जल्दी आओ यहाँ ये देखो मुझे क्या मिला।

नंदीता- ये क्या है?

नमन- किसी मूर्ति जैसी दिखती है।

श्याम- हाँ किसी तपस्या करते साधू की मूर्ति।सबसे पहली बात इसे अच्छे से साफ़ करो लेकिन ध्यान रहे मूर्ति पर कोई खरोच ना आये।

मैक- तो शूटिंग शुरू करें?

नंदिता- नहीं पूरी साफ़ सफाई के बाद,,हमें परफेक्ट शूटिंग चाहिए जिससे चैनल की टी.आर.पी. बढे।

बमन- आखिर किस धातु से बनी है ये मूर्ती?ये काफी लचीली है।

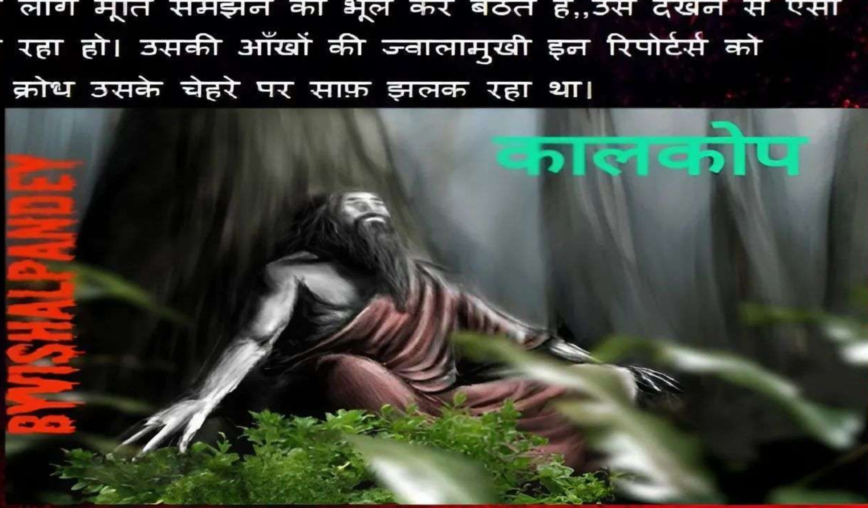
श्याम- हमें मूर्ती का थोडा सा हिस्सा काटना होगा,,ताकि हम इसका कीसी धातु विशेषज्ञ से परिक्षण करवा सकें।

नमन- लो अभी काट देता हूँ,,और ये काट दिया।

मैक- ये क्या इसमें से तो खून निकल रहा है?

इतने में वो बैरागी जाग खड़ा होता है जिसे ये लोग मूर्ति समझने की भूल कर बैठते हैं,,उसे देखने से ऐसा प्रतीत होता है जैसे सदियों से तपस्या में लीन रहा हो। उसकी आँखों की ज्वालामुखी इन रिपोर्टर्स को भस्म करने के लिए आकुल हो रही थी। प्रचंड क्रोध उसके चेहरे पर साफ़ झलक रहा था।

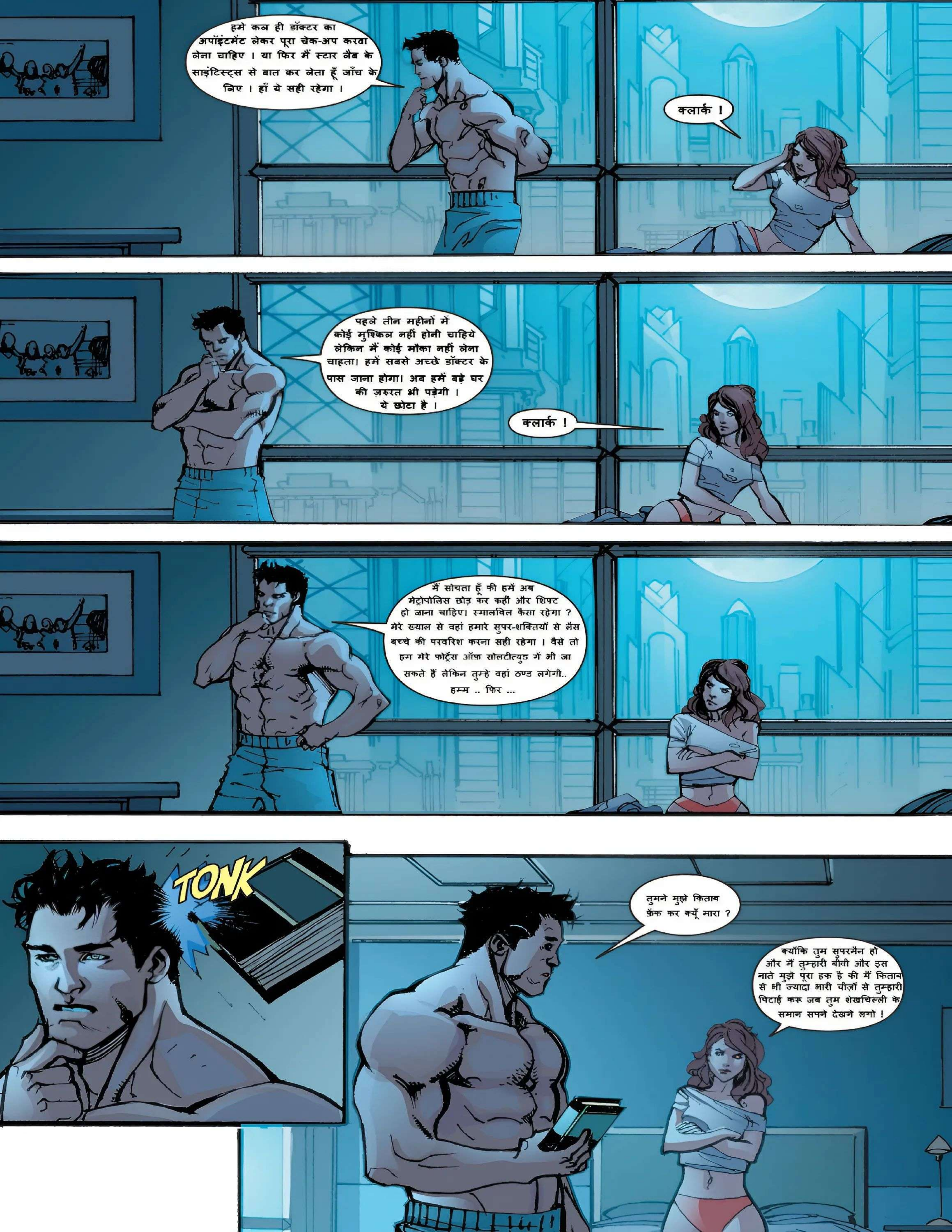
(written by Vishal Pandey)
To Be Continued........

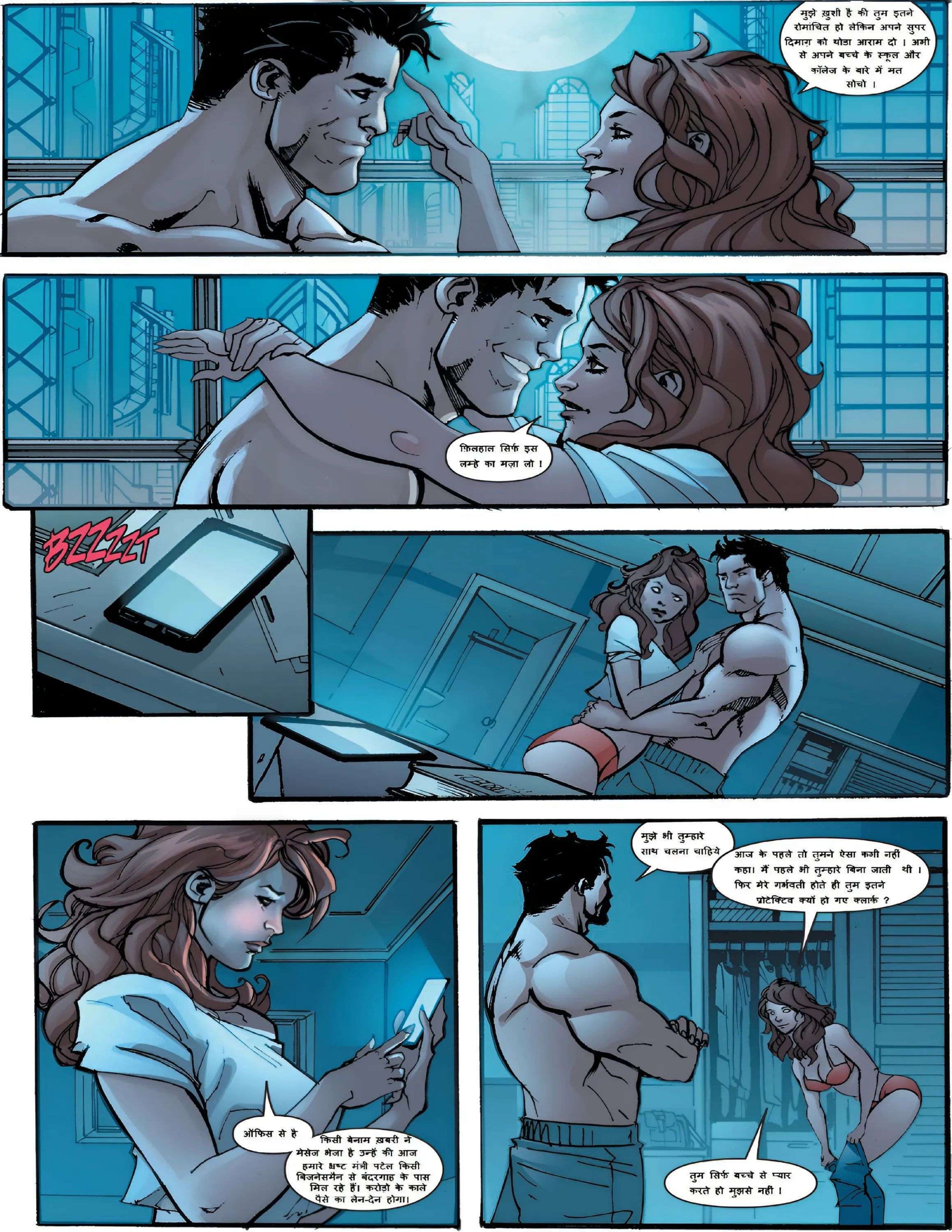




वर्तमान
गोथम आज बेहद शांत है
अब रातों में गोथम में अपराधी नहीं दिखते हैं। किसी का पीछा करती कारें नहीं दिखती हैं। अब लोगों को अपराधों से डर नहीं लगता है। अब गोथम में क्राइम-किंग और डॉन नहीं दिखते। अब किसी अँधेरी गली में चंद पैसों को लूटने के लिए कोई गुंडा किसी बच्चे की आँखों के सामने उसके माता-पिता की हत्या नहीं करता है।
कुछ मायनों में ये मेरे सपनो का गोथम शहर है।
लेकिन ये कोई स्वप्न नहीं है।
ये एक बुरा सपना है। दुस्वप्न है।
इस शान्ति की वजह डर है।
ये शान्ति नहीं सन्नाटा है। और इस सन्नाटे को चीरती चली जाती है ये कदमताल की ध्वनि जिसकी गूंज पूरे विश्व में सुनाई देती है।
ये कदमताल की ध्वनि तानाशाहों का संगीत है, उनका शक्ति प्रदर्शन है।
आज पूरे विश्व पर डर का राज है। सब लोहे के समान कठोर पकड़ में है। आज राज है उसका जिसे कहते हैं –
-- A MAN OF STEEL.


5 साल पहले ...
बन्दूक से निकली गोली से भी तेज़
एक रेल इंजन से भी कई गुना ज़्यादा शक्तिशाली
बड़ी-बड़ी इमारतों को अपनी एक छलांग में फलांगने वाला
लेकिन आज उसके लिए सबसे महत्वपूर्ण थी उसकी सुपर-श्रव्य शक्ति
क्योंकि उसके कारण उसने आज रात अपने जीवन की सबसे सुखद ध्वनि सुनी --
क्लार्क ... क्या हुआ ?
स्मालविल में ...
-- वो ध्वनि थी एक शरीर से दो दिल धड़कने ही आवाज़


हमे कल ही डॉक्टर का अपॉइंटमेंट लेकर पूरा चेक-अप करवा लेना चाहिए । या फिर मैं स्टार लैब के साइंटिस्ट्स से बात कर लेता हूँ जाँच के लिए । हाँ ये सही रहेगा ।
क्लार्क !
पहले तीन महीनों में कोई मुश्किल नहीं होनी चाहिये लेकिन मैं कोई मौका नहीं लेना चाहता। हमें सबसे अच्छे डॉक्टर के पास जाना होगा। अब हमें बड़े घर की ज़रुरत भी पड़ेगी । ये छोटा है ।
क्लार्क !
मैं सोचता हूँ की हमें अब मेट्रोपोलिस छोड़ कर कहीं और शिफ्ट हो जाना चाहिए। स्मालविल कैसा रहेगा ? मेरे ख्याल से वहां हमारे सुपर-शक्तियों से लैस बच्चे की परवरिश करना सही रहेगा । वैसे तो हम मेरे फोर्ट्रेस ऑफ सोलटीट्युड में भी जा सकते हैं लेकिन तुम्हे वहां ठण्ड लगेगी.. हम्म .. फिर ...
TONK
तुमने मुझे किताब फ़ेंक कर क्यूँ मारा ?
क्योंकि तुम सुपरमैन हो और मैं तुम्हारी बीवी और इस नाते मुझे पूरा हक है की मैं किताब से भी ज्यादा भारी चीज़ों से तुम्हारी पिटाई करू जब तुम शेखचिल्ली के समान सपने देखने लगो !


मुझे ख़ुशी है की तुम इतने रोमांचित हो लेकिन अपने सुपर दिमाग़ को थोडा आराम दो । अभी से अपने बच्चे के स्कूल और कॉलेज के बारे में मत सोचो ।
फ़िलहाल सिर्फ़ इस लम्हे का मज़ा लो ।
BZZZZT
ऑफिस से है
किसी बेनाम ख़बरी ने मेसेज भेजा है उन्हें की आज हमारे भ्रष्ट मंत्री पटेल किसी बिजनेसमैन से बंदरगाह के पास मिल रहे हैं। करोड़ो के काले पैसे का लेन-देन होगा।
मुझे भी तुम्हारे साथ चलना चाहिये
आज के पहले तो तुमने ऐसा कभी नहीं कहा। मैं पहले भी तुम्हारे बिना जाती थी । फिर मेरे गर्भवती होते ही तुम इतने प्रोटेक्टिव क्यों हो गए क्लार्क ?
तुम सिर्फ़ बच्चे से प्यार करते हो मुझसे नहीं ।


आहा अब तुम्हारी योजना हमारे सामने आ गयी है एलियन प्राणी । तुग पृथ्वी पर आये थे अपना वंश बढाने, एक वारिस पाने के लिए ..
और अपनी योजना को पूरा करने के लिए तुमने चुना पृथ्वी की सबसे खूबसूरत महिला को ..
क्लार्क , मैं नौ महीनों तक यहाँ बैठे-बैठे मोटी नहीं होने वाली । वो भी तब जब तुम हर रोज़ दुनिया को बचाने के लिए अपनी जान पर खेल जाते हो । मेरे लिए गी मेरा काम मेरी ज़िन्दगी । पत्रकारिता सिर्फ मेरा पेशा ही नहीं है ...
मुझे तुम्हारी चिंता है ..
मुझे पता है
तुम भूल रहे हो क्लार्क की तुम्हारे पास दूरबीन के जैसे एक्स-रे विज़न है और तुम बहुत दूर से मेरी आवाज़ सुन सकते हो और मेरे पास पलक झपकते पहुँच सकते हो ... कहाँ खो गए तुम ?
क्या हुआ ? कोई हगला ?
पता नहीं । शहर में शायद कुछ ..
मतलब अब हम दोनों के लिए कुछ काम आ गया । परेशान मत होना , जिम्मी मेरे साथ होगा । हम सिर्फ छुप कर उनकी फोटो खिंच कर वापस आ जायेंगे। वहां उनका सामना करणे से कोई फायदा नही है ।
अब जाओ , दुनिया को बचाओ


NNF!
तुम मेट्रोपोलिस में क्या कर रहे हो ?
CRCK
स्टार लैबस से खबर आई थी की वहां चोरी हुई है । कहा जा रहा है की कुछ खतरनाक चीज़े गायब हुई है।
तुम आने के पहले मुझे कॉल कर देते !
मैं तुम्हारा ऊपर छत पर इंतज़ार कर रहा हूँ ।


तुम्हें कुछ बताना है ।
लोइस गर्भवती है ।
तुम्हें कैसे पता ...
तुम्हारे माथे पर पसीना आ रहा है , तुम्हारे हाथ कांप रहे हैं , तुम्हारी आँखों की पुतलियाँ फैली हुई है , तुम्हारी साँस फूल रही है । तुम सामान्य तौर पर डरे हुए नहीं दिखते । पिछली बार तुम्हारी हालत ऐसी तब थी जब डूम्सडे से तुम्हारा सामना हुआ था ।
लेकिन तुम्हारा डर किसी शैतान का नहीं लगता अभी ---
-- और तुम्हारे चेहरे पर एक इडियट के समान मुस्कान है


मुझे नही लगता कोई आने वाला है लोइस !
हम दस मिनट और इंतज़ार कर लेते है .. शायद तब तक मंत्री और उन्हें घूस देनेवाला .. दोनों ही आ जाये !
इस तरह की चीज़ों में भी नेता लेट-लतीफ़ होते हैं !
मैं सोच रहा हूँ की यह आखिरी काम कर के यह पत्रकारिता का पेशा छोड़ दूँ और एक अच्छा सा फैशन फोटोग्राफी का स्टूडियो खोल लूँ .. तुम्हे मैं अपनी पहली मॉडल बनाऊंगा ..
श्श्श..
अपना कैमरा तैयार रखो .. लगता है कोई आ रहा है
ये नेता या कोई मंत्री तो नही लगता !!!


हम दोनों तुम्हें हमारे होने वाले बच्चे का "गॉड फादर " बनाना चाहते हैं
हम्म .. लगता है मैंने दुनिया के महानतम जासूस को सरप्राइज कर दिया । तुम मुझसे छुपा नहीं सकते ब्रूस ...
-- मैंने तुम्हारी बढ़ी हुई हृदय गति सुनी है अभी


BANG
THUD
जिम्मी
EW.
जिम्मी का तो भेजा फ्राई बन गया .. हा हा हा
HI, LOIS!
क्रमशः

मेरी बात !

1101010111101100100100100110110101001110101011110110010010010011011010100110101011110110010010010010110



डोगा और इंस्पेक्टर स्टील

राहुल शर्मा

नमस्ते दोस्तों, आज कुछ लिखने का मन हुआ, तो सोचा अपनी भावनाए आप लोगो के साथ साझा करूँ
बात है राज कॉमिक्स के २ बड़े ही चर्चित हीरोज़ डोगा और इंस्पेक्टर स्टील के बारे में।
इनकी जोड़ी कई बार कॉमिक्स में एक साथ दिखाई गयी है जैसे:



दो फौलाद
वर्दी और बन्दूक
वेलकम डोगा वेलकम स्टील
कौन बचेगा कौन मरेगा
मुझे मरना है
हाथ उठा डोगा गन झुका स्टील

कुछ कॉमिक्स सचमुच यादगार थी, तो कुछ सिर्फ एक बार पढ़ के भूल जाने लायक। लेकिन लगभग सभी कॉमिक्स के अंत में ऐसा ही दिखाया गया है कि डोगा ने स्टील कि मर्ज़ी के खिलाफ विलैन को मार डाला।
अब आम तौर पर जब डोगा किसी विलैन को मारता है, तो मुझे भी ख़ुशी होती है, क्योकि वो विलैन कहानी के अनुसार मरने के ही लायक होता है।

लेकिन, जब कॉमिक्स में इंस्पेक्टर स्टील जैसा कानून का रखवाला हो, तो उसके रहते कानून की धज्जियाँ उड़ते हुए दिखाना मुझे पसंद नहीं आता। कॉमिक्स हमारे लिए बचपन से ही मनोरंजन के साधन से ज्यादा भी कुछ रही है। हम में से कई लोगों ने ज़िन्दगी के पाठ कॉमिक्स से ही सीखे हैं!

और एक चीज़ जो मेरे अनुसार सीखना बहुत ज़रूरी है, वो है देश के कानून के प्रति सम्मान और विश्वास।
राज कॉमिक्स में डोगा और इंस्पेक्टर स्टील ही शायद ऐसे २ हीरोज है जो समाज के दो बिलकुल विपरीत धुरों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

डोगा समाज में हो रहे अन्याय के विरुद्ध एक एकल व्यक्ति का अराजक आंदोलन है, A one man rebellion.
उसका लक्ष्य है, अच्छे नागरिकों की रक्षा, और बुरों को दंड!
मज़े कि बात ये है, कि महाराष्ट्र पुलिस सेवा का नारा भी कुछ ऐसा ही है!
'सद-रक्षणाय, खल-निग्रहणाय'
मतलब लक्ष्य डोगा का भी वही है जो पुलिस का है, लेकिन उसके तरीके गैर कानूनी है!
अब दूसरी तरफ है इंस्पेक्टर स्टील, जो फ़र्ज़ की मशीन है! कानून की रक्षा के लिए २४ घंटे प्रयासरत!
Doga is Chaos, while Inspector Steel is Order!!
डोगा के कारनामों के मज़े लेना गलत नहीं है, लेकिन कभी-कभार पाठकों को ये याद दिलाना भी ज़रूरी है कि कानून को बचाने के लिए कानून तोडना ज़रूरी नहीं है! ईमानदारी से कानून का पालन करते हुए भी अपराध से निपटा जा सकता है!
शायद अपराधी को हथकड़ी लगा के जेल भेजना उसकी खोपड़ी उड़ाने के मुकाबले उतना 'कूल' न लगे, लेकिन एक सभ्य समाज के लिए वही बेहतर है।
ज़रूरी नहीं कि डोगा अपराधियों को मारना छोड़ दे, क्योंकि डोगा का तरीका भी कई बार ज़रूरी और ज्यादा सही होता है, लेकिन Once in a while, अगर इंस्पेक्टर स्टील कानून कि अहमियत हमारे सामने रख सके, ये साबित कर सके कि इंसानी जानवरों से निपटने के लिए खुद जानवर बनना ज़रूरी नहीं, If he can make us realize that even the 'Way of the book'



गॉडज़िला

विशाल पांडे - १९९६ फिल्म पर आधारित

फ्रेंच पोलीनीशिया में एक न्यूक्लियर हादसे से निकला रेडिएशन एक छिपकली के घोसले को प्रभावित करता है। लगभग दशकों बाद जापान के एक मछुवारों के दल पर एक विशालकाय समुद्री जीव द्वारा आक्रमण होता है जो सब तेहेस नेहेस कर देता है। बड़ी मुश्किल से उनमे से एक मछुवारा जीवित बच जाता है और फ्रांस के एक आदमी द्वारा उससे प्रश्न किया जाता है की उसने आखिर क्या देखा? तो वो जवाब देता है "गोजिरा" । डॉक्टर निक जोकि जीवों पर रेडिएशन के प्रभाव पर शोध कर रहे होते हैं उन्हें U.S. मिलीट्री द्वारा उस जगह ले जाया जाता है जहाँ "गोजिरा" को पहली बार देखा गया था जहा उसने अपने पंजों के निशान भी छोड़े थे। निक के निरिक्षण के बाद वो ये बताते हैं की ये कोई अज्ञात प्राणी है ये एक डाईनासौर भी हो सकता है। मीडिया में ये खबर आग की तरह फ़ैल जाती है और मीडिया वाले इसे नाम देते है "गॉडजिला" | उसके कुछ ही दिनों बाद ये जीव U.S. में घुस आता है और उसके रास्ते में आई हर एक चीज़ तबाह कर देता है पूरी U.S. आर्मी उसे मारने में लग जाती है पर वे नाकाम रहते हैं। पुरे शहर में घना मिल्लिट्री का पहरा लगा दिया जाता है और उस जीव को मारने के तरह तरह के हथकंडे अपनाए जाते हैं लेकिन सब विफल हो जाते हैं। बाद में धीरे धीरे ये पता चलता है की उसके शहर में आने का कारण क्या है? वो अपने पेट में पल रहे अन्डो के लिए खाना जुटा रहा होता है।बाद में उसका पीछा करके U.S. आर्मी सागर में ही मार देती है और अब उनका अगला निशाना उसके अंडे थे । जहाँ उसने अंडे दिए थे वहाँ ये लोग बम सेट करते हैं पर देर हो चुकी होती सारे बच्चे अंडे से बाहर आ जातें हैं और अपनी भूख मिटाने के लिए उन लोगों को मारकर खाने लगते हैं अंततः विस्फोट हो जाता है और सारे बच्चे मारे जाते हैं उनमे से कुछ वहाँ से फरार भी हो जाते है। गॉडजिला बेहोशी से बाहर आ जाता है और अपने बच्चो के पास चला आता है अपने बच्चो की लाशों को देखकर वो क्रोधित हो उठता है और मारने वालों का पीछा करने लगत है पीछा करते करते वो एक बड़े पुल की रस्सियों में फस जाता है और U.S. आर्मी को एक अचूक मौका मिल जाता है उसे मारने का वो उसपर मिसाइल्स और कई विस्फोटक दागते है और वो धीरे धीरे मर जाता है।





फलक





बचपन के दिन

नवीन तिवारी

बचपन के दिन.. नानानानी का प्यार, मोसियो से लड़ाई और मामाजी के साथ घूमना ,ये तराना था वो गर्मी के छुट्टी का नजारा था , गर्मी के दिन थे ताश का खेल था कभी तीन दो पांच ,तो कभी गुल्लू चोर का ही जमाना था... मस्ती था गर्मी के साथ चुहल था .. पर वो बचपन था .. दिन में लड़ाई थी रात में सब साथ थे .. अँधेरे का नजारा डर का खजाना था.. कहानिया भी वैसी ही थी कहे तो सिहासन बत्तीसी थी .. कंडील का जमाना था पर वाह चाँद में भी चम्पक का आनंद ,नंदन का पठन क्या नजर था .. अब कहा चाँद हमें तो चम्पक का चीकू ही नजर नहीं आता है .. गर्मी तेज पर वो गर्मी बिना पंखो की .. और अब बिना कूलर... की अरे नहीं रे.. वो सहनीय थी और ये असहनीय है।

विडम्बना

विनय कुमार

अरे भाई , क्या बात है , बड़ी भीड़ लगी है कनिया के घर के सामने , मैंने सामने से आ रहे जोखन से पूछा | " आप को नहीं पता , बेचारा आज अल्लाह को प्यारा हो गया " | मैं एकदम से हतप्रभ रह गया | कब हो गया ये और मुझे खबर तक नहीं |

कनिया हमारे गांव का नाई था , पिछले २५ सालों से मैं उसे देखता आ रहा था | उसकी एक आँख गड़बड़ थी जिससे लोग उसे कनिया ही पुकारते थे | किसी को भी , यहाँ तक की उसे खुद अपना सही नाम याद नहीं था | हर जाति और धर्म के लोगों के घर जा कर लोगों के बाल काटना , दाढ़ी बनाना ही उसका पेशा था | उसके पिता भी इसी पेशे में थे और शायद उसकी पिछली कई पुश्तें यही करती आ रही थीं | बड़ा ही खुशमिजाज , सारे गांव की खबर उसके पास होती थी | बाल कटवाते कटवाते पूरे एरिया की खबर मिल जाती थी | इधर उसका काम थोड़ा कम हो गया था क्योंकि नई पीढ़ी के नौजवान अब उसके बदले नए सैलून में जाना पसंद करते थे | लेकिन अभी भी पुरानी पीढ़ी का वही नाई था और कैंची और उस्तरा ही उसके औजार थे जिसे वो चमड़े पर घिस घिस कर तेज करता रहता था |

जल्दी से मैं उसके घर के सामने पहुंचा और पूछने लगा कि कैसे हुआ | तभी उसके पड़ोसी ने बताया कि वो टिटनेस से मर गया | दरअसल वो उस्तरे से अपनी दाढ़ी बना रहा था और कट जाने के कारण उसे टिटनेस हो गया | वक़्त की विडम्बना कि वह अपने ही उस्तरे की वजह से ही काल का ग्रास बन गया |

विकास

संजय डागा

"यहाँ से यह रोड निकालना है" ... इन्जिनियर ने टेप लगाकर नापतौल कर अपने अर्दली को बताया......

"पर...साहब.... इस रोड को यहाँ से बनाने के बजाय थोडा हटकर बनाया जाय तो....?"

"क्यो.....?"

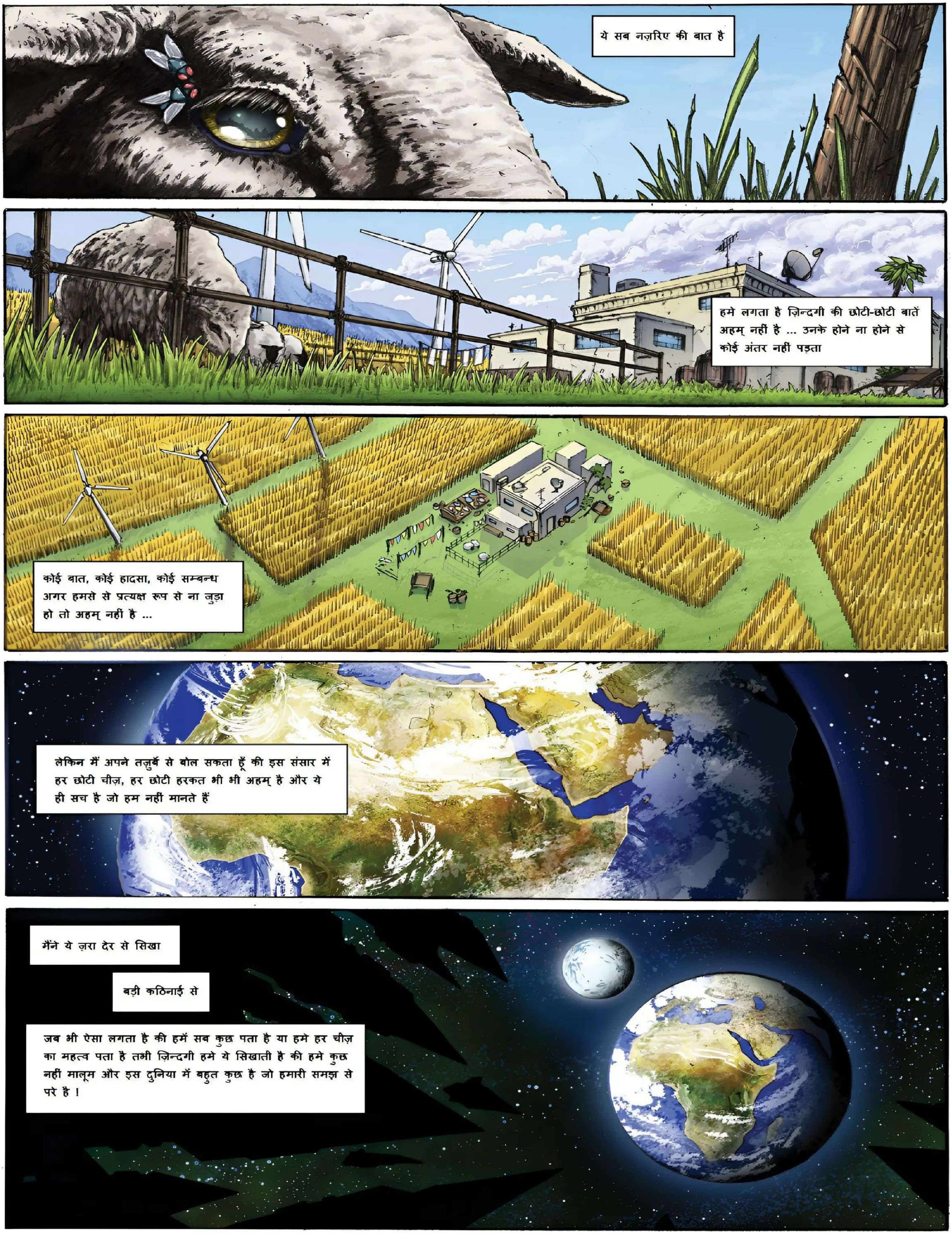
"क्योकी सर यहाँ से बनाऐगे तो यह बडा सा इमली का पेड काटना पडेगा...?"

"तो कटवा दो..... पेड जरूरी है या सड़क...?"

"ठीक है साहब...."

दुसरे दिन जब विशाल पेड कटा तो असंख्य पक्षी आसमान मे कलरव करते नजर आऐ... विकास के लिये इन निरीह पक्षियों का घर उजाड़ना जरुरी जो था


JINNRISE


ये सब नज़रिए की बात है
हमे लगता है ज़िन्दगी की छोटी-छोटी बातें अहम् नहीं है ... उनके होने ना होने से कोई अंतर नहीं पड़ता
कोई बात, कोई हादसा, कोई सम्बन्ध अगर हमसे से प्रत्यक्ष रूप से ना जुड़ा हो तो अहम् नहीं है ...
लेकिन मैं अपने तजुर्बे से बोल सकता हूँ की इस संसार में हर छोटी चीज़, हर छोटी हरकत भी भी अहम् है और ये ही सच है जो हम नहीं मानते हैं
मैंने ये ज़रा देर से सिखा
बड़ी कठिनाई से
जब भी ऐसा लगता है की हमें सब कुछ पता है या हमे हर चीज़ का महत्व पता है तभी ज़िन्दगी हमे ये सिखाती है की हमे कुछ नहीं मालूम और इस दुनिया में बहुत कुछ है जो हमारी समझ से परे है !



इतने साधन ... इतनी सम्पदा .. इतनी संस्कृति लेकिन यह पृथ्वीवासी इन सब का दुरुपयोग कर रहे हैं
और अब हमसे सामना होने पर ये कायर मुकाबला करने के बजाये पीठ दिखा कर भाग रहे हैं
महामहिम जैसा हमने सोचा था वो ही हुआ .. हमारा RECLAMATION PROJECT निर्विरोध है अब तक !
"RECLAMATION PROJECT"? हम वो कैसे RECLAIM करें जो कभी हमारा था ही नहीं ?
स्वामित्व कभी भी जबरदस्ती से नहीं मिल सकता है
इन पृथ्वी की मधुमक्खियों को देखो !
जब भी मैं इनका शहद लेने की कोशिश करता हूँ ये मुझे डंक मरती है पूरे साहस से ये जानते हुए की मैं इन्हें ख़त्म कर सकता हूँ
लेकिन मनुष्य कायर और खुदगर्ज़ होते हैं .. उनमे कोई एकता नहीं होती .. वे सिर्फ़ अपने बारे में सोचते है
लेकिन मैं बिलकुल इस तरह उन्हें रौंद डालूँगा !!
SPLORCH
मैं सिखाऊंगा उन्हें सबक और बताऊंगा की कब्ज़ा सिर्फ़ जीत कर नहीं बल्कि ..
इनके दिलों में मेरा डर डाल कर होगा


धर्म , जात-पांत , हत्या, लालच , अपनी मादाओं को परेशान करना .. ये सब ही इन्हें आता है .. हमारा इन पर कब्ज़ा इनका दुर्भाग्य नहीं सौभाग्य है
ये ब्रह्माण्ड का पहला ग्रह नहीं जिन्हें ये सौभाग्य मिलेगा की वो हमारे कदमों में झुके या नष्ट हो !

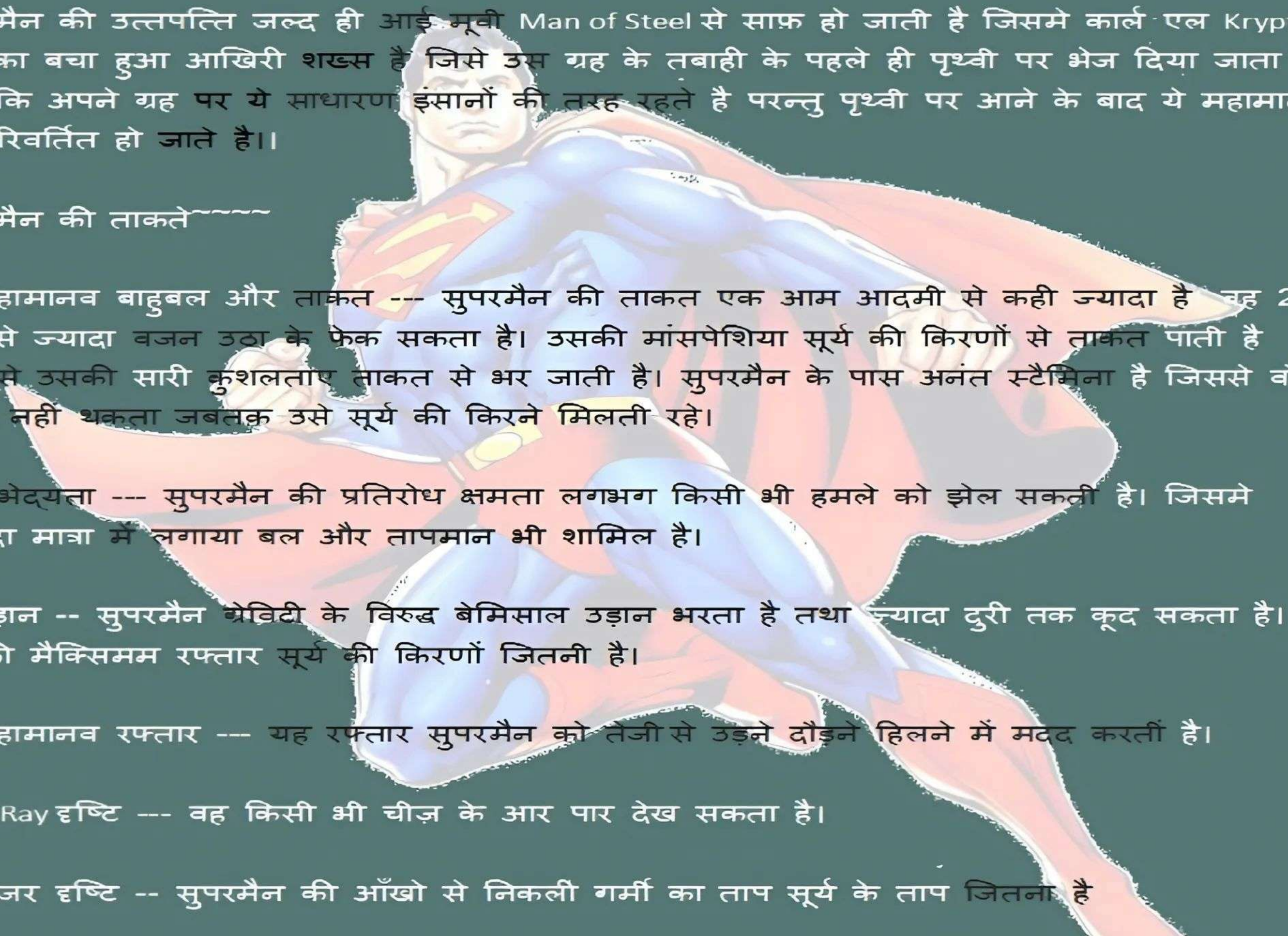

ये ग्रह तो एक नासूर है जो सड़ता जा रहा है, एक ऐसी जगह जो इस ब्रह्माण्ड के ऊपर एक धब्बा है और अब ये मेरी ज़िम्मेदारी है की हम इस धब्बे को मिटा दे !
क्रमशः


ARCHIE DREAM COMICS
OPH
One Page Horror
...शायद
आज जब एक थकान भरे लम्बे दिन बाद मैं घर पहुंचा तो लॉक खोलने पर मैंने कुर्सी पर अपनी माँ को इनकी मनपसंद गुड़िया के साथ बैठे देखा ।
मुझे नहीं समझ आता की मैं इसलिए परेशान हूँ की माँ बिना चाबी के अन्दर कैसे आई या फिर इसलिए की माँ की मौत हुए 5 साल हो गए हैं !

SUPERHEROES CLASH

SUPERMAN

सुपरमैन DC Comics का एक प्रमुख पात्र है। सुपरमैन का अर्थ है महामानव। DC Comics ने खुद घोषणा की थी की सुपरमैन उनकी कॉमिक्स का सबसे ताकतवर पात्र है हालांकि कई नए सुपर-विलेन उससे ताकतवर बनाए गये। शुरुवाती दौर में सुपरमैन को इतना ताकतवर बनाया गया की कोई विल्लेन उसके आगे टिकता ही नहीं था तो मजबूरन उसकी ताकतों को कम किया गया।



सुपरमैन की उत्तपत्ति जल्द ही आई मूवी Man of Steel से साफ़ हो जाती है जिसमे कार्ल एल Krypton ग्रह का बचा हुआ आखिरी शख्स है जिसे उस ग्रह के तबाही के पहले ही पृथ्वी पर भेज दिया जाता है हालांकि अपने ग्रह पर ये साधारण इंसानों की तरह रहते है परन्तु पृथ्वी पर आने के बाद ये महामानव में परिवर्तित हो जाते है।।

सुपरमैन की ताकते~~~~

• महामानव बाहुबल और ताकत --- सुपरमैन की ताकत एक आम आदमी से कही ज्यादा है वह 200 टन से ज्यादा वजन उठा के फेक सकता है। उसकी मांसपेशिया सूर्य की किरणों से ताकत पाती है जिससे उसकी सारी कुशलताएं ताकत से भर जाती है। सुपरमैन के पास अनंत स्टैमिना है जिससे वो कभी नहीं थकता जबतक उसे सूर्य की किरने मिलती रहे।

• अभेद्यता --- सुपरमैन की प्रतिरोध क्षमता लगभग किसी भी हमले को झेल सकती है। जिसमे ज्यादा मात्रा में लगाया बल और तापमान भी शामिल है।

• उड़ान -- सुपरमैन ग्रेविटी के विरुद्ध बेमिसाल उड़ान भरता है तथा ज्यादा दुरी तक कूद सकता है। उसकी मैक्सिमम रफ्तार सूर्य की किरणों जितनी है।

• महामानव रफ्तार --- यह रफ्तार सुपरमैन को तेजी से उड़ने दौड़ने हिलने में मदद करती है।

• X-Ray दृष्टि --- वह किसी भी चीज़ के आर पार देख सकता है।

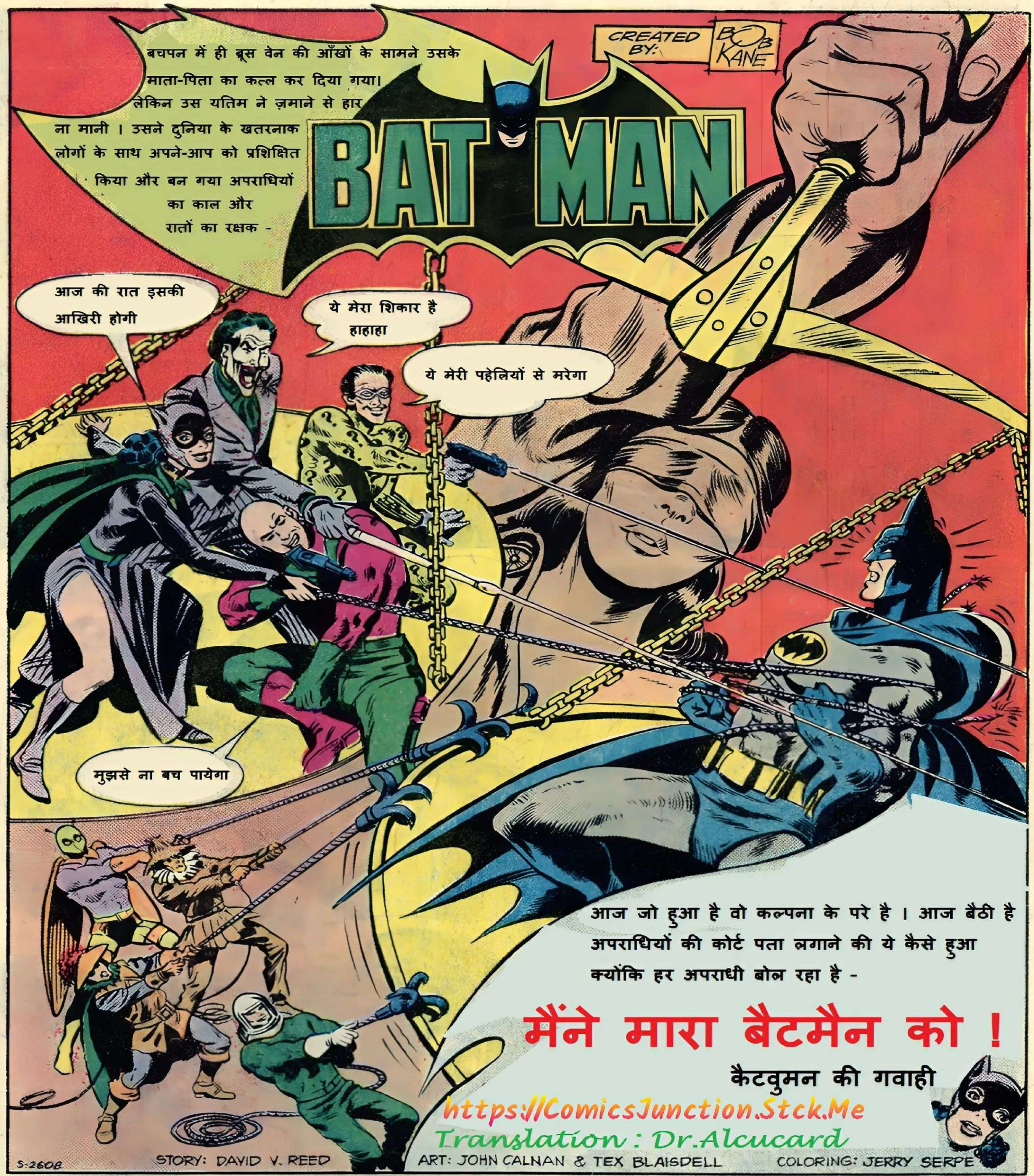
• लेजर दृष्टि -- सुपरमैन की आँखो से निकली गर्मी का ताप सूर्य के ताप जितना है

• महामानव सांस --- वह बहुत ही ज्यादा मात्रा में सास लेता और छोड़ता है जिससे उसे ताकत मिलती है

• महामानव कान --- वह बहुत ही दूर की आवाजो को बड़ी साफ़ सुन सकता है

• महामानव दृष्टि --- वह बहुत ही दूर तक की चीजों को बड़ी ही स्पष्टता से देख सकता है

• महामानव महक • महामानव याददाश •बुद्दिमानी • बेमिसाल युद्ध कलाये



BATMAN, Vol. 28, No. 291, September, 1977. Published monthly by DC COMICS INC., 75 Rockefeller Plaza, New York, N.Y. 10019. Second Class Postage paid at New York, N.Y. and Additional Mailing Offices.

SUBSCRIPTION DEPT.: DC COMICS INC., 155 Allen Blvd., Farmingdale, N.Y. 11735. Annual subscription rate $5.00. Outside U.S.A. $6.00



किसी को नहीं पता की यह कैसे हुआ ? क्यों हुआ ? किसने किया ? लेकिन ये शरीफों के लिए संकट और अपराधियों की दिवाली थी ।
THE BATMAN IS DEAD
लेकिन निश्चित था के हर कहानी अलग थी
IN CHICAGO--
उन्होंने बैटमैन को छत पर से धक्का दिया
IN BOSTON--
IN NEW ORLEANS--
2


IN SAN FRANCISCO--
बैटमैन गायब है ?
लेकिन क्या सच में वो मारा गया
हमें सच पता लगाना होगा ।
हाँ ये खबर बिलकुल सच है लेकिन असल सवाल है -
हत्यारा कौन ?
IN MIAMI--
एक तो ये बोल रहा है के उसने बैटमैन को तलवार से मार डाला
वैसे इसका पता लगाने के लिए कोर्ट बैठ रही है
कोर्ट ?
हाँ क्राइम कोर्ट -
वो भी गोथम शहर में । सभी अपराधी वहां दावा ठोकेंगे ।


सच में इन दावों की सत्यता परखने के लिए गोथम में बैठ रही थी क्राइम कोर्ट
वीराने में कर्नल क्लॉ के बंगले में
यहाँ पर हर छोटा-बड़ा अपराधी मौजूद था जो अपना दावा पेश करना चाहता था
ज्यूरी में हैं - मैड हैटर, स्पूक, पाइजन आइवी, स्कैरक्रो, सिग्नलमैन और मि.फ्रीज
और मुख्य न्यायधीश हैं - रा-अल-गुल
क्राइम कोर्ट में आप सबका स्वागत है । अब हम एक-एक कर सबकी गवाही सुनेंगे ।
कोर्ट वकील को कार्यवाही शुरू करने का आदेश देती है
और वो चेहरा - नहीं चेहरे सामने आते हैं जो इस केस की पैरवी करेंगे
हार्वे डेंट उर्फ़ टू-फेस - भूतपूर्व वकील और अब माफ़िया बॉस
ज्यूरी के माननीय सदस्यों, आज जो सवाल हमारे सामने खड़ा है ,
वो है किसने मारा बैटमैन को ? क्योंकि ये सम्मान की बात है लेकिन इसके दावेदार बहुत है ।
हर दावेदार पहले ही लिखित में अपने पक्ष और साक्ष्य जमा करवा चूका है । अब हम उन्हें परखेंगे ।
पहली दावेदार कटघरे में आये ..


सेलिना काइल हाज़िर हो !!
बिल्ली सी चतुर और शातिर । साथ ही साथ बैटमैन की करीबी मानी जाने वाली
कैटवुमन
ये असंभव है। ये कभी बैटमैन को मार नहीं सकती !
ये तो बैटमैन से प्रेम करती थी ।
कैटवुमन मैं जानता हूँ की तुम बैटमैन के करीब थी लेकिन यहाँ बहुत लोग है जो बैटमैन की मौत पर खुश हैं
मैं तुम्हारे इस शोक-प्रदर्शन से सहमत नहीं हूँ ।
महोदय मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता की कौन क्या सोचता है ?
मैंने बैटमैन को मारा है और मुझे उसका अफ़सोस है ।
मि.डेंट आप शुरू करें ।
बिलकुल कैटवुमन
आप घटना विस्तार से बताइए
बैटमैन के क़त्ल की रात आप कहाँ थी ?
और शुरू हुई कैटवुमन की गवाही
कुछ वक़्त पहले मैंने अपना नाम-पता बदल कर एक नए शहर में नयी शुरुआत की।
और उस दौरान मैं सिर्फ मैं थी ना की कैटवुमन
मेरा नया नाम था मैडम क्लोदीन और मैंने अपनेआप को गोथम के उच्च-वर्ग में शामिल कर लिया था ।


तीन हफ्ते पहले मैं एक फैशन शो में गयी थी ।
"सब कुछ अच्छा चल रहा था की अचानक"
और फिर वो आ गया
सभी लोग शांति से अपने हाथ खड़े कर दें
तुमने यहाँ ..
आकर बड़ी ...
गलती की
6



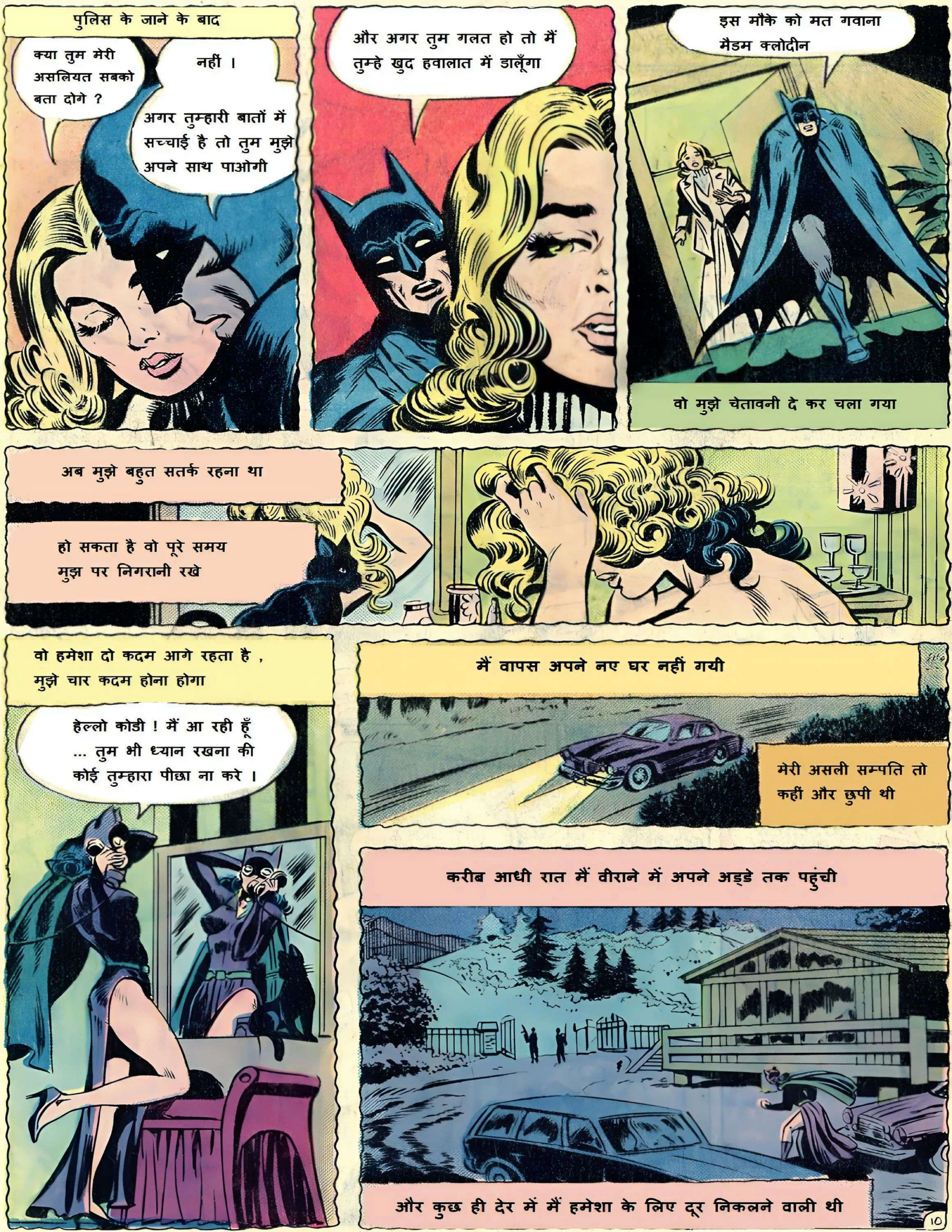
वो बदमाश एक मिनट भी बैटमैन के सामने टिक ना पाये ।
पहली बार उसे एक दर्शक बन लड़ते देखना एक अलग ही अहसास था



तभी उनमे से एक भागने की चेष्टा करने लगा ।
PRIVATE MADAME CLAUDINE
वो सीधे मेरे रूम में घुसा
PRIVATE MADAME CLAUDINE
मैंने उसका पीछा किया
और बैटमैन के आने तक ...
ये बेहोश है । स्थिति नियन्त्र में है ।
तुम्हारी आदतें बदली नहीं कैटवुमन
बैटमैन मेरे बारे में जान चुका था
तुम्हें देख कर ख़ुशी हुई बैट
सच में ? मैडम क्लोदीन !
हाँ ...
तुम्हारा प्यार मुझे खींच लाया
फालतू बातें मत करो
मैं दो दिनों से इन बदमाशों के पीछे पड़ा था ।
और आज ये पकड़ में आये तो वो भी तुम्हारे शो में !
तुम्हे ग़लतफ़हमी है। मैं बदल चुकी हूँ ।
तभी एक बदमाश को होश आ गया
उन्नह
ये मात्र कठपुतली हैं ।
असली मालिक तो कोई और है जिसका पता ये बताएगा।
CONTINUED ON



बैटमैन उससे पूछताछ करने लगा
बोलो
लेकिन वो ज़्यादा बोलने के पहले बेहोश हो गया
उसने क्या कहा ?
अपने बॉस का नाम
टू-फेस
टू-फेस गरजा
तुम मुझ पर इल्जाम लगा रही हो ?
मैं वो बता रही हूँ जो हुआ
I OBJECT!
वकील मुझे अपना सिक्का दो
जज गुल ने डेंट के तरीके से समाधान निकला
EVIL WINS!-- OBJECTION OVERRULED!
कैटवुमन ने आगे बताना जारी किया
बदमाश इतना बोल बेहोश हो गया और तब तक पुलिस आ गयी
तुम बोल रहे हो के इसके पीछे टू-फेस है बैटमैन ?
क्या तुम्हे इस पर भरोसा है ?
मैं सोच रहा हूँ की इसने इतनी आसानी से सब क्यों बता दिया ?
आप इसे हॉस्पिटल ले जाये । मैं आपसे वहीं मिलता हूँ ।
9


पुलिस के जाने के बाद
क्या तुम मेरी असलियत सबको बता दोगे ?
नहीं ।
अगर तुम्हारी बातों में सच्चाई है तो तुम मुझे अपने साथ पाओगी
और अगर तुम गलत हो तो मैं तुम्हे खुद हवालात में डालूँगा
इस मौके को मत गवाना मैडम क्लोदीन
वो मुझे चेतावनी दे कर चला गया
अब मुझे बहुत सतर्क रहना था
हो सकता है वो पूरे समय मुझ पर निगरानी रखे
वो हमेशा दो कदम आगे रहता है , मुझे चार कदम होना होगा
हेल्लो कोडी ! मैं आ रही हूँ ... तुम भी ध्यान रखना की कोई तुम्हारा पीछा ना करे ।
मैं वापस अपने नए घर नहीं गयी
मेरी असली सम्पति तो कहीं और छुपी थी
करीब आधी रात मैं वीराने में अपने अड्डे तक पहुंची
और कुछ ही देर में मैं हमेशा के लिए दूर निकलने वाली थी

फलक



एक अधूरा घड़ा

कहानी है यह हिन्दुस्तान की। बहुत समय पहले की बात है एक भिश्ती था। उसके पास दो घडे थे। उन घडों को उसने एक लम्बे डंडे के दो किनारों से बांधा हुआ था। एक घडा था साबुत और सुन्दर परन्तु दूसरे घडे में दरार थी।

भिश्ती हर सुबह नदी तट पर जा कर दोनों घडों में पानी भरता और फिर शुरू होता उसका लम्बा सफर ऊंची पहाडी चढ क़र मालिक के घर तक । जब तक वह वहां पहुंचता टूटे हुए घडे में से आधा पानी रास्ते में ही बह चुका होता जबकि साबुत घडे में पूरा पानी होता।

बहुत समय तक ऐसे ही चलता रहा । मालिक के घर तक डेढ घडा पानी ही पहुंचता था। साबुत घडे क़ो अपने पर बहुत घमंड था। उसकी बनावट बहुत सुन्दर थी और वह काम में भी पूरा आता था । टूटे हुए घडे क़ो अपनी बेबसी पर आंसू आते । वह उदास और दुखी रहता क्योंकि वह अधूरा था। उसे अपनी कमी का एहसास था। वह जानता था कि जितना काम उसे करना चाहिये वह उससे आधा ही कर पाता है।

एक दिन टूटा हुआ घडा अपनी नाकामयाबी को और सहन नहीं कर पाया और
वह भिश्ती से बोला ''मुझे अपने पर शर्म आती है मै अधूरा हूं। मैं आपसे क्षमा मांगना चाहता हूं।''
भिश्ती ने उससे पूछा ''तुम्हें किस बात की शर्म है।''
''आप इतनी मेहनत से पानी लाते है और मै उसे पूरा नहीं रोक पाता आधा रास्ते में ही गिर जाता है । मेरी कमी के कारण मालिक को आप पूरा पानी नहीं दे पाते'' दरार वाला घडा बोला।

भिश्ती को टूटे हुए घडे पर बहुत तरस आया। उसके हृदय में दया और करूणा थी। उसने प्यार से टूटे हुए घडे से कहा ''आज जब हम पानी लेकर वापस आयेंगे तब तुम रास्ते में खुबसूरत फूलों को ध्यान से देखना। चढते सूरज की रोशनी में यह फूल कितने अच्छे लगते है।''

और उस दिन टूटे हुए घडे ने देखा कि सारे रास्ते के किनारे बहुत ही सुन्दर रंगबिरंगे फूल खिले हुए थे। उन लाल नीले पीले फूलों को देख कर उसका दुखी मन कुछ समय के लिये अपना दुख भूल गया। परन्तु मालिक के घर पहुंचते ही वह फिर उदास हो गया। उसे बुरा लगा कि फिर इतना पानी टपक गया था।
नम्रतापूर्वक टूटे हुए घडे ने फिर भिश्ती से माफी मांगी। तब वह भिश्ती टूटे हुए घडे से बोला ''क्या तुमने ध्यान दिया कि रास्ते में वह सुन्दर फूल केवल तुम्हारी तरफ वाले रास्ते पर ही खिले हुए थे। मैं तुम्हारी इस कमजोरी के बारे में जानता था और मैने इसका फायदा उठाया। मैने फूलों के बीज केवल तुम्हारी तरफ ही बोये थे और हर सुबह जब हम इस रास्ते से गुजरते तो तुम इन पौधों को पानी देते थे। पिछले दो सालों से यही फूल मालिक के घर की शोभा बढाते हैं। तुम जैसे भी हो बहुत काम के हो अगर तुम न होते तो मालिक का घर इन सुन्दर फूलों से सुसज्जित न होता।''

ईश्वर ने हम सब में कुछ कमियां दी है। हम सब उस टूटे अधूरे घडे ज़ैसे हैं पर हम चाहें तो हम इन कमजोरियों पर काबू पा सकते हैं।

कॉमिक्स जंक्शन की रोमांचक दुनिया में आपका स्वागत है, जहां रचनात्मकता की कोई सीमा नहीं हैं। हम सिर्फ एक कॉमिक्स फैंस के समूह नहीं हैं, हम कल्पना, रोमांच और कलात्मकता के ब्रह्मांड का प्रवेश द्वार हैं। 🦋

❀ *आप हमसे सभी प्लेटफार्म (सोशल-मीडिया) पर जुड़ सकते हैं।* ❀

Facebook Page ⇛ JOIN NOW

Facebook Group ⇛ JOIN NOW

ChatWise Group ⇛ JOIN NOW

WhatsApp Group ⇛ JOIN NOW

Telegram Channel ⇛ JOIN NOW

New Comics Updates ⇛ JOIN NOW

Visit Website ➪ https://ComicsJunction.Stck.Me

नोंट : किसी भी चैंनेल/पेंज या ग्रुप मे ज्वॉइन होने के लिए JOIN NOW बटन पर क्लिंक करें।

काण्ड समय रेखा - शून्य दिवस




नरमन चिकित्सा और रोग अनुसंधान केन्द्र बैंगलोर
RABHAS STRAIN N VACCINE
नहीं!


नहीं! वो कहाँ गया
हे भगवान! अब क्या होगा!
SQUEE
SQUEE SQUEE
नहीं मुझे शांत दिमाग से काम लेना होगा।
SQUEE SQUEE
वो जरूर
SQUEE
आहहSSS
दूर हट !!
SQUEEEEEE



व..उ..आ...
पहुँच सकता हूँ
अब भी देर नहीं हुई
नहीं
डॉ सुशील!! मैंने चीखने की आवाज सुनी! क्या आप ठीक हैं?
देर हो गई
अपनी जान बचाओ
क्या??
भाग जाओ !!


हर्रर.....
आहह....
ये मुझे काट
रहा है !!
उफ !
ये क्या हो गया !
SHREEEP
हर्रर....
खों
खों
क्या हो रहा है?? यहाँ इतना
शोर क्यों है??
हम शैतान बन चुके है ...
हम सभी
SQUEE
SQUEE


इस बीच मुम्बई में (शून्य दिवस)
BHAKTI SANGA
हम कलियुग में जी रहे है और स्वंय की करनी से विनाश को निमंत्रण दे रहें हैं।
शराब पीना, महिलाओं का पहनावा, अश्लील फैशन शो, हमारे मंदिरों का गिरना, वेलेंटाइन डे...
ये इस बात को सिद्ध करता है की हम अपने संस्कारों को भूल चुके हैं
हमम..
हमेशा मुझे ही ऐसे कवरेज की ड्यूटी क्यों मिलती है??
इनके गुंडे डिस्को में औरतों से छेड़खानी करते हैं और ये उसे सही ठहराते हैं
हमारे अंतर्यामी गुरु बाबा सत्यदेव को हमारे रक्षक काल्की के होने वाले जन्म का आभास है।
और जब वो इस नरक मे जन्म लेंगे तब भक्ति संघ वहाँ उनकी रक्षा करेगा।
काल्की!! वाउ... उसकी बकवास तो सुनो!!
PINK CHADDI CAMPAIGN
मुझे यकीन नहीं होता पाँच साल की पत्रकारिता की पढाई के बाद मैं ये कर रही हूँ।
भक्ति संघ उनकी सभी बुराईयों और समस्याओं से रक्षा करेगा
हम असुरों को उनका अहित नहीं करने देंगे... हम तैयार रहेंगे


पश्चिम संगरोध दीवार, बैंगलोर काण्ड समय रेखा -36 वॉ दिवस
RAW
महानिदेशक की डेस्क से अनुसंधान और विश्लेषण विंग
हम संदूषण के इस स्तर के लिए तैयार नही थे। क्षेत्र 7 पिछले 36 दिनों से वायरस फैलने से दूषित है। वैज्ञानिक इसे राशा काण्ड कह रहे हैं।
अंतिम संदेश प्रमुख वैज्ञानिक डॉ सुशील से शुन्य दिवस पर प्राप्त हुआ था।
हमें अंदेशा है की राशा वायरस वहाँ की हवा में मिल गया है।
बचाव दल- नागा रेजिमेंट पिछले 10 दिनों से लापता है।


तुम्हारा मिशन चिकित्सा फाईलें और रिपोर्ट और साथ ही डॉ सुशील के रक्त का नमूना लाना है।
वैक्सीन संक्रमित लोगों पर प्रभावित नहीं है। वे नरभक्षी बन गए हैं।
वायरस संक्रमित लोगों के काटने से फैल रहा है।
क्षेत्र 7 के सारे नागरिक अब संक्रमित मान लिए गए हैं।



क्रमशः

'मेरा हीरो तो गंजा, बुड्ढा और बदसूरत है'



स्वाति बक्शी



'चाचा चौधरी का दिमाग़ कंप्यूटर से भी तेज़ चलता है' और 'साबू को गुस्सा आता है तो ज्वालामुखी फटता है.'

मासूम बचपन में ये बातें ना तो कभी नामुमकिन लगीं, ना ग़लत बल्कि उस शख़्स से मिलने की ख़्वाहिश ज़रूर हमेशा रही जिसने इन क़िरदारों को ज़िंदगी दी. 1960 के दशक में कार्टूनिस्ट प्राण ने जब बनाना शुरू किया वो वक्त भारत में इस लिहाज से बिल्कुल नया था कि कोई देसी क़िरदार मौजूद नहीं थे. दिल्ली में उनके घर पर मुलाक़ात हुई तो बातचीत की शुरुआत इसी बात से हुई.

राजनीति विज्ञान के स्नातक और फ़ाइन आर्ट्स के छात्र ने कार्टूनिस्ट बनने का फ़ैसला क्यों किया मेरे इस सवाल के जवाब में प्राण कहते हैं, "ऐसा नहीं है कि कार्टूनिस्ट नहीं थे. मुझसे बेहतर थे मेरे सीनियर जैसे शंकर, कुट्टी और अहमद लेकिन वे सब राजनीतिक कार्टून बनाते थे. मुझे लगा कि राजनीति तो वक्त के साथ पुरानी पड़ जाएगी क्यों न ऐसे सामाजिक क़िरदार बनाऊं जो हम जैसे हों. मेरी समझ से कार्टून पत्रकारिता की एक शाखा है."

प्राण बताते हैं, "उस वक्त जितनी भी कॉमिक्स बाज़ार में मौजूद थीं उन सब में विदेशी चरित्र थे जैसे मेंड्रेक, ब्लॉंडी वगैरह. हालांकि जब मैंने माता-पिता को बताया तो सबने कहा कि क्या मिलेगा तुम्हें, कोई लड़की तुमसे शादी नहीं करेगी. लेकिन मैंने कहा कि मैं तय कर चुका हूं. अब तो यही करना है."

कार्टून की भाषा

राजनीतिक भाषा से परहेज़ रखने पर प्राण कहते हैं, "सामाजिक क़िरदारों की उम्र कभी ख़त्म नहीं होती. मैंने उस वक्त जो कहानी कही वो आज भी पुरानी नहीं लगेगी."



चाचा चौधरी, साबू, पिंकी, बिल्लू, रमन जैसे बेहद सफल क़िरदार क्या उनके आस-पास के लोगों पर आधारित थे. ये पूछने पर प्राण कहते हैं, "चाचा चौधरी की जहां तक बात है तो मेरी प्रेरणा थे भारतीय इतिहास के प्रचलित व्यक्तित्व चाणक्य. मैं चाहता था कि मेरा हीरो उनके जैसा अक्ल वाला हो."

प्राण आगे कहते हैं, "मेरी अवधारणा पश्चिम से बिल्कुल भिन्न थी. वहां हीरो का शारीरिक तौर पर शक्तिशाली होना- लंबा चौड़ा, ख़ूबसूरत, बांका जवान होना ज़रूरी है लेकिन देखिए मेरा हीरो तो गंजा, बुड्ढा है. गंजा मतलब बदसूरत लेकिन उसकी ताक़त है उसका दिमाग़ तो मेरे चरित्र सिर्फ़ बाहरी ख़ूबसूरती के मोहताज नहीं है."

फिर चाचा की कहानियों में साबू कैसे आया यह पूछने पर प्राण बताते हैं, "शुरुआत में चाचा चौधरी अकेला था क्योंकि उस वक्त थीम साधारण से थे जैसे चोरी, पॉकेटमारी वगैरह पर धीरे-धीरे समस्याएं बदलने लगीं. फिर मुझे लगा कि इस अक्ल को शारीरिक ताक़त देनी होगी और ऐसे साबू का जन्म हुआ."

लेकिन साबू का ग्रह ज्यूपिटर कैसे निर्धारित हुआ. इस पर प्राण कहते हैं, "सिर्फ़ सोच की बात है. मुझे ज्यूपिटर काफ़ी दिलचस्प नाम लगा. मंगल जैसे नाम उस वक्त इतनी दिलचस्पी पैदा नहीं कर रहे थे."



महिला क़िरदार

अब प्राण से मिलने का मौक़ा मिला था तो मैंने एक शिकायत दर्ज करा ही दी कि उनके महिला क़िरदार जैसे चाचा चौधरी की बीवी बिन्नी, चन्नी चाची, श्रीमती जी इतने परंपरागत क़िरदार क्यों हैं. उन्होंने लीक से हटकर थोड़ी बोल्ड महिलाएं क्यों नहीं गढ़ीं.

प्राण अपना बचाव करते हुए कहते हैं, "देखिए अगर आप हास्य पैदा नहीं करेंगे तो कौन ख़रीदेगा. अपनी बीवी से तो चाचा चौधरी भी डरता है जो किसी से नहीं डरती. क्या ये ताक़त नहीं है. कितनी बार बिन्नी चाचा चौधरी को बेलन फेंक कर मार चुकी है."

राजनीतिक कार्टून और कार्टूनिस्ट असीम त्रिवेदी विवाद का ज़िक्र छिड़ा तो प्राण का कहना था, "कार्टून हास्य के साथ कटाक्ष करने की कला ज़रूर है लेकिन अभिव्यक्ति की आज़ादी का मतलब किसी की बेइज़्ज़ती कभी नहीं हो सकता. भारतीय संविधान ने ये आज़ादी दी है तो उसका सम्मान होना चाहिए."

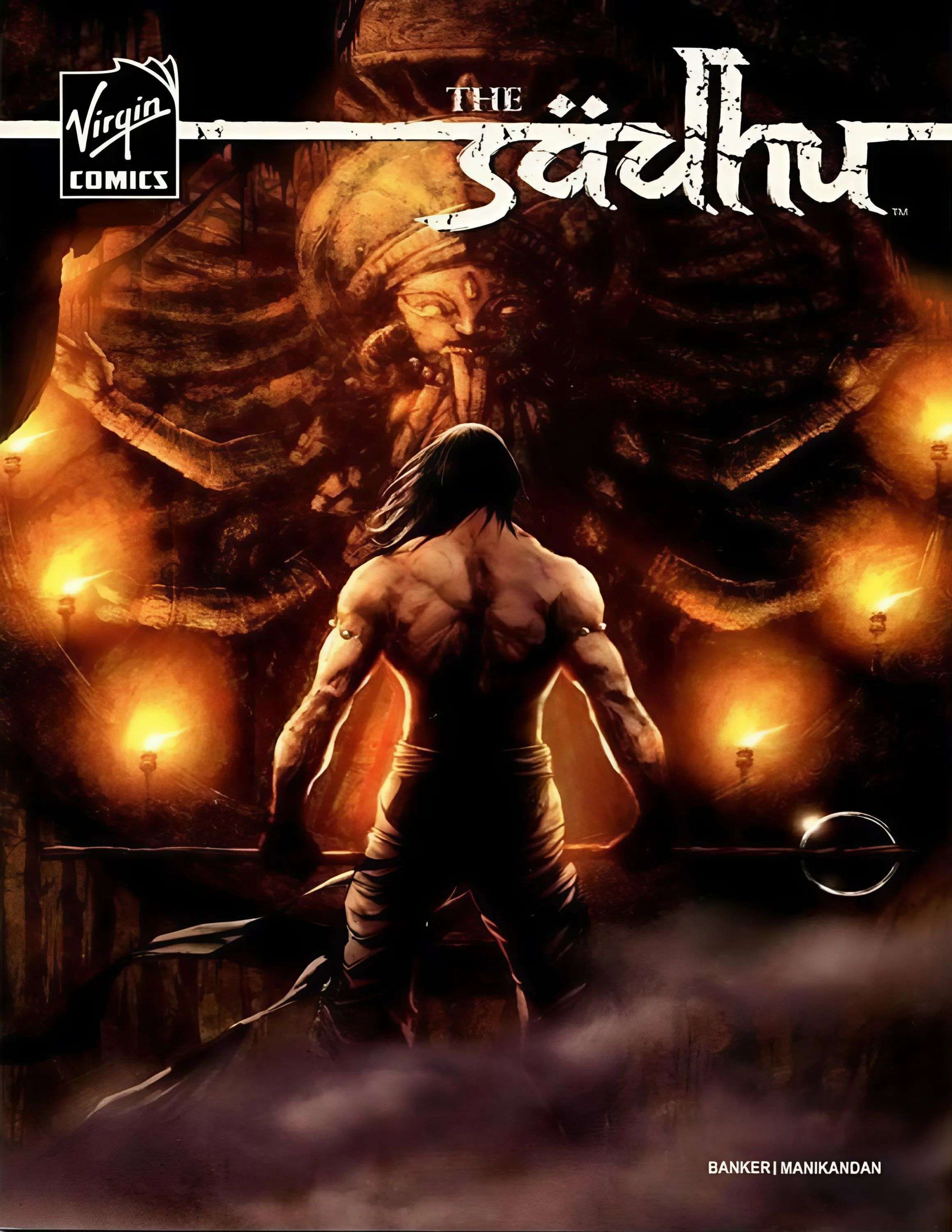
प्राण कहते हैं, "असीम त्रिवेदी ने जो भी किया वो सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के इरादे से किया. ऐसा कोई भी कार्टून जो संविधान का सम्मान न करे अच्छा कार्टून नहीं हो सकता. मेरी समझ से असीम ने जो किया वो सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का तरीक़ा था."

भारत में कार्टूनकला की वर्तमान स्थिति पर टिप्पणी करते हुए प्राण कहते हैं,"पहले की बात और थी आज तो भारत में जर्नलिज़्म का पूरा तरीक़ा ही बदल चुका है. पहले शंकर और कुट्टी इतने प्रख्यात थे कि पहले पन्ने पर उनके कार्टूनों का इंतज़ार होता था लेकिन आज तो अगर माधुरी दीक्षित और ऐश्वर्या राय की तस्वीर हो तो कार्टून को धकेल कर पिछले पन्ने पर भी भेजा जा सकता है"

प्राण कहते हैं,"दूसरी बात ये है कि आज कार्टूनिस्ट हैं भी बहुत कम. आप को ही पांच नाम गिनाने को कहूं तो याद नहीं आएंगे. ये ट्राइब ही दुनिया में विरली है. आज तो अगर कोई कार्टून बना भी दे तो तुरंत जुलूस निकलने लगते हैं. नेहरू ने ख़ुद शंकर से एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि शंकर मुझे भी मत छोड़ना. आज के नेताओं में है इतना दम."

प्राण 75 बरस के हो चुके हैं लेकिन आज भी बदस्तूर काम कर रहे हैं.




Virgin
COMICS
THE sädhu™
BANKER | MANIKANDAN


THE SADHU: PROLOGUE
1856 बंगाल, भारत का वो भाग जो ज़मींदारों और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी से सबसे ज्यादा प्रताड़ित है
लेकिन ऐसे वीर भी थे जो उनका सामना सिर्फ हाथ में लकड़ी की लाठी लेकर करते थे ..वे उन्हें डकैत कहते थे
लेकिन अंग्रेजों को हराना इतना आसान ना था



डकैतों का सरदार एक साधु था जिसे सब "दादा-ठाकुर" या "दादाजी" कहते थे
आज छः लड़के मारे गए दादा ठाकुर । उन्हें हमारे हमले की खबर थी और उनके पास बंदूकें थी
ये सब भाग्य का लेखा है मोहन भाई
बिना बन्दूको के हम उनका सामना नहीं कर सकते । क्या ऐसे शहीद होना हमारे भाग्य में है ?
हम व्यर्थ का खून खराबा नहीं करते । हम अमीरों से लेकर गरीबों में बांटते हैं । लड़ाई जीतने के और तरीके भी हैं
क्या आप अपने आदर्शों के लिए सबकी बलि चढ़ा देंगे ? हम बंदूकों का सामना लाठियों से नहीं कर सकते । ऐसे तो सब काल का ग्रास बन जायेंगे !
मोहन भाई, हिम्मत ही हमारा असल हथियार है
सबको को लेकर हमारे अड्डे पर जाओ क्योंकि ब्रिटिश सैनिक तुम्हे तलाशते इधर आयेंगे
क्या आप हमारे साथ नहीं आ रहे हैं दादाजी ?
मैं बाद में आऊंगा


रास्ता भटक गए दादाजी ?
नहीं मित्र। लेकिन रास्ता बहुत लम्बा हो गया है, साथी कम हो गए और मैं कमज़ोर हो गया हूँ
जल्द ही आपका अकेलापन दूर होगा क्योंकि आपका उत्तराधिकारी आ रहा है
तुम किसकी बात कर रही हो ? वो कहाँ से आ रहा है ?
वो आ रहा है
END OF PROLOGUE


शुरुआत हमेशा अजीब होती है...
लेकिन गलती हमारी है क्योंकि हम भूल जाते हैं की समय हमारे अनुसार नहीं चलता । वो तो सदैव गतिमान था । संसार का सबसे स्थिर नियम ही परिवर्तन है
क्रमशः

मका बका OW-OW

Navneet Singh
25-2-14




ARCHIE DREAM COMICS
OPH
One Page Horror
...शायद
हर रोज़ की तरह आज भी मेरी बिल्ली हम सब को एकटक देख रही है ।
पिछले एक महीने से वो ऐसा ही कर रही है
जाने हमें ऐसे क्यों देखती है ?
लेकिन आज अहसास हुआ की असल में वो हमारे पीछे कुछ देख रही है ।



मुम्बई
सोनिया होटल के कमरे में लगे शीशे में खुद को देखती है तो एक अजीब सी चीज़ साफ़ झलकती है।
उसके दोस्तों और उसके बॉयफ्रेंड जोएल के लाख कोशिशो के बावजुद भी भारत की ये आर्ट स्टूडेंट अपने कष्टों से मुक्त ना हो सकी
उसके गर्भपात को लगभग एक साल हुआ होगा।
लेकिन कुछ बदतर चीजें थी।
चीजें जो उसे परेशान करती थी
भयानक अग्निपरीक्षा के बाद एक भास्म्युक्त चमड़ी वाला तथा गहरी आखों वाला व्यक्ति उसके सामने आया जो फिर कभी नहीं गया।
उसने उसके बारे में किसी को कुछ नहीं बताया ताकि किसी को ये ना लगे की वो पागल है
वो अघोरी था,एक बुरा साधू..सोनिया ने उसके बारे में काफी रिसर्च की थी..वो एक सम्प्रदाय से था जिनका मरे हुओं को खाने का संस्कार था।
वो नहीं जानती थी की अघोरी द्वारा उसके साथ क्या होना है इसीलिए वह अपने प्रश्नों के उत्तर हेतु भारत वापिस आ गयी।
अब न्यू यॉर्क को छोड़ने का समय है जबतक की उसकी बुरी यादे मिट ना जाए।
या जबतक उसके घाव एक दाग की तरह भर ना जाएँ।
सोनिया ..


हनी, टैक्सी यहाँ है, जल्दी आओ तुम्हारे घर पहुचने के पहले मै जितना हो सके उतना भारत घूमना चाहता हूँ।
जोएल जिससे वो प्यार करती है
जाहिर सी बात है की वो भी इस ट्रिप पर आया था।वो हमेशा उसके साथ था इसीलिए वो उससे प्यार करती थी लेकिन जोएल ने उसको गर्भवती किया था इसीलिए वो उससे थोड़ी नफरत भी करती थी।
लेकिन उसने इस बात को कभी जाहिर नहीं होने दिया।
आ रही हूँ
हा ...
सोफिया होटल के कमरे मे लगे शीशे में खुद को देखती है तो एक अजीब सी छाया साफ़ झलकती है।
तुम ठीक हो?
हाँ मै ठीक हूँ।
क्या मैं इससे प्यार करती हूँ या नफ़रत ?


WOOOHOOOOO!!!
ये ही जीवन है.....
राज को हवा और उसका एहसास पसंद था..सूरज और उसकी गर्मी पसंद थी.. और उसे इंजिन और उसके नीचे की सड़क पसंद थी।
वो तो कभी भी इस क्रॉस कंट्री ट्रिप पर जाना नहीं चाहता था।
लेकिन उसकी गर्लफ्रेंड ने एक एन.आर.आई. लडके से शादी करने के लिए उसे छोड़ दिया और यु.के. में सेटल हो गयी।। ये परफेक्ट समय था इन सब बातो से दूर जाने का।
उसके पास परी जैसी आँखे थी लेकिन उसका मन डायन सा काला। उसने ब्रेक-उप की पूरी गलती राज पर डाल दी, उसे बेवफ़ा कहा।
बेवफ़ा ...
उसके आई पौड का म्यूज़िक चेंज होता है।
वो उसके बारे में सोचकर मुस्कुराता है।
उसके आई पोढ में नया गाना बजता है जो की एकदम फिट है।
"अच्छा सिला दिया तूने मेरे प्यार का ..."


बाहर अँधेरा हो रहा था और वो उसे पलट-पलट कर कनखियों में देख रही थी
नज़रे मिली ...
क्या देख रही हो ?
कुछ नहीं
वो लड़का !
हाँ...नहीं
CUTE?
ही ही ही .. दिखने में तो अच्छा है
वो भी इधर ही देख रहा है
हम्म्म..
ऐसे बैठी रही तो हो गया .. जाओ उससे बात करो !
लेकिन..


CRAAASHHHHHH!
उठो संभलो !
क्या हुआ ?
एक्सीडेंट ! मेरी कजिन कहाँ है ?
वक़्त कम है .. चलो
रुको मेरी बहन !
BOOOOM!

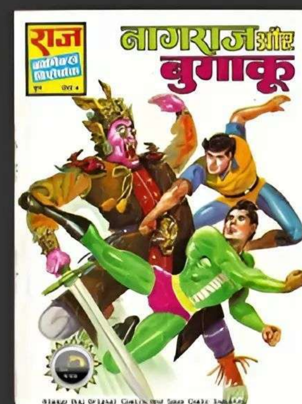
क्रमशः

मेरी बात !

11010101110110010010010011011010100111010101110110010010010011011010100110101011101100100100100110

नागराज और बुगाकू

कल्कि का आशीष



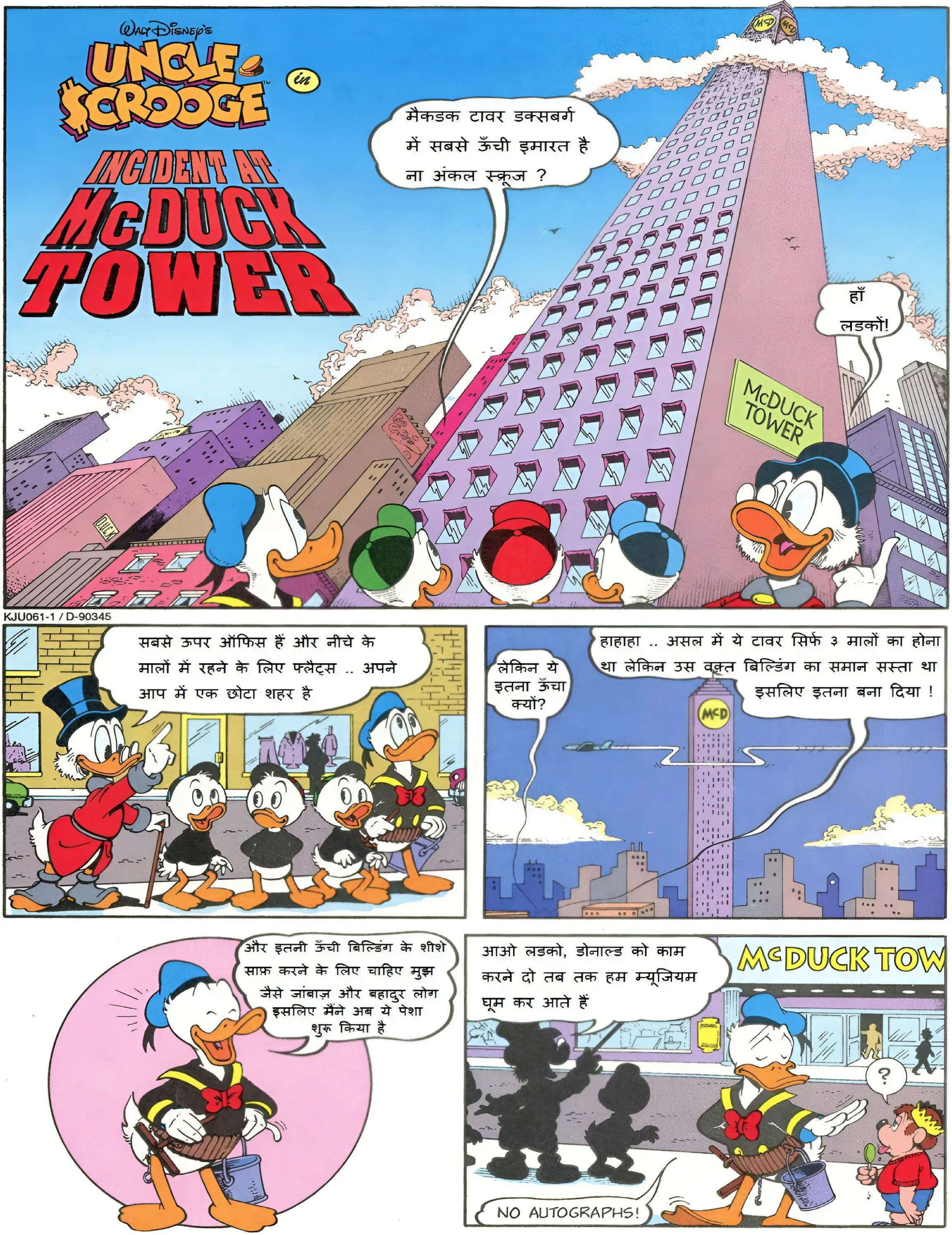
ध्रुव और नागराज का ये अविस्मरणीय विशेषांक मुझे आज भी अतिप्रिय है। राज कॉमिक्स के प्रथम टू इन वन विशेषांक "नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव " की अपार सफलता के बाद पाठकों की ज़बरदस्त डिमांड को देखते हुए RC ने दोबारा ध्रुवा और नागराज को एक साथ प्रस्तुत किया इस विशेषांक "नागराज और बुगाकू" में ।

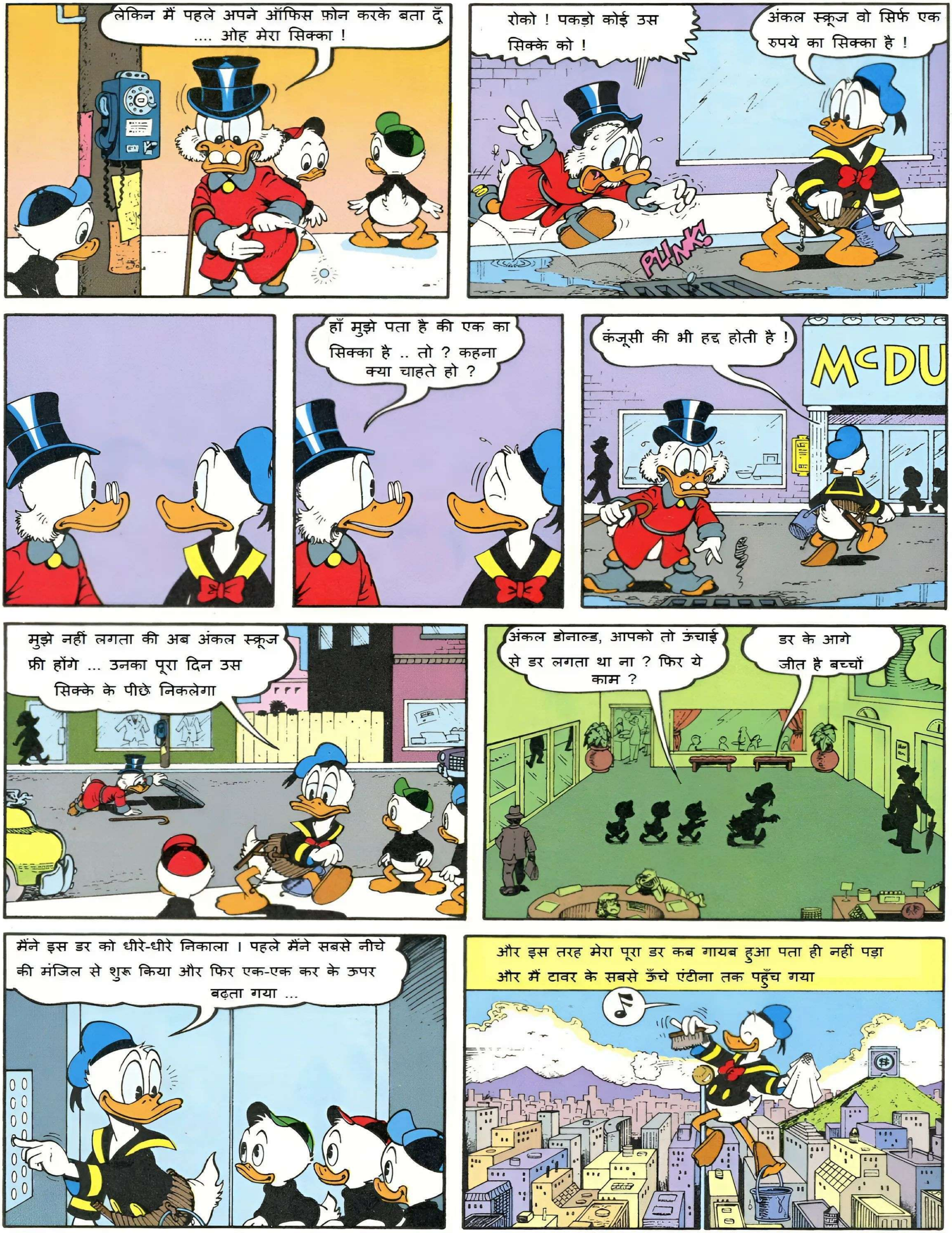
इसके प्रचार (ad) ने ही पाठकों में खलबली मचा दी । उस समय फिल्मो की वीडियो कैसेट्स में भी फिल्म के बीच बीच में इसका एड आ रहा था {उस एड में ये था कुछ सीन के साथ एक गूँजती हुई वज़नदार आवाज़ ' नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव की अपार सफलता के बाद , एक बार फिर नागराज और ध्रुव एक साथ !!! राज कॉमिक्स पेश करते हैं एक और शाहकार "नागराज और बुगाकु" एक ऐसा खुनी मुक़ाबला जिसमे नागराज और ध्रुव के सामने हैं कई खतरनाक दुश्मन और और और एक अनोखी शक्ति 'बुगाकु "!!! शीघ्र प्रकाशित हो रहा है}।

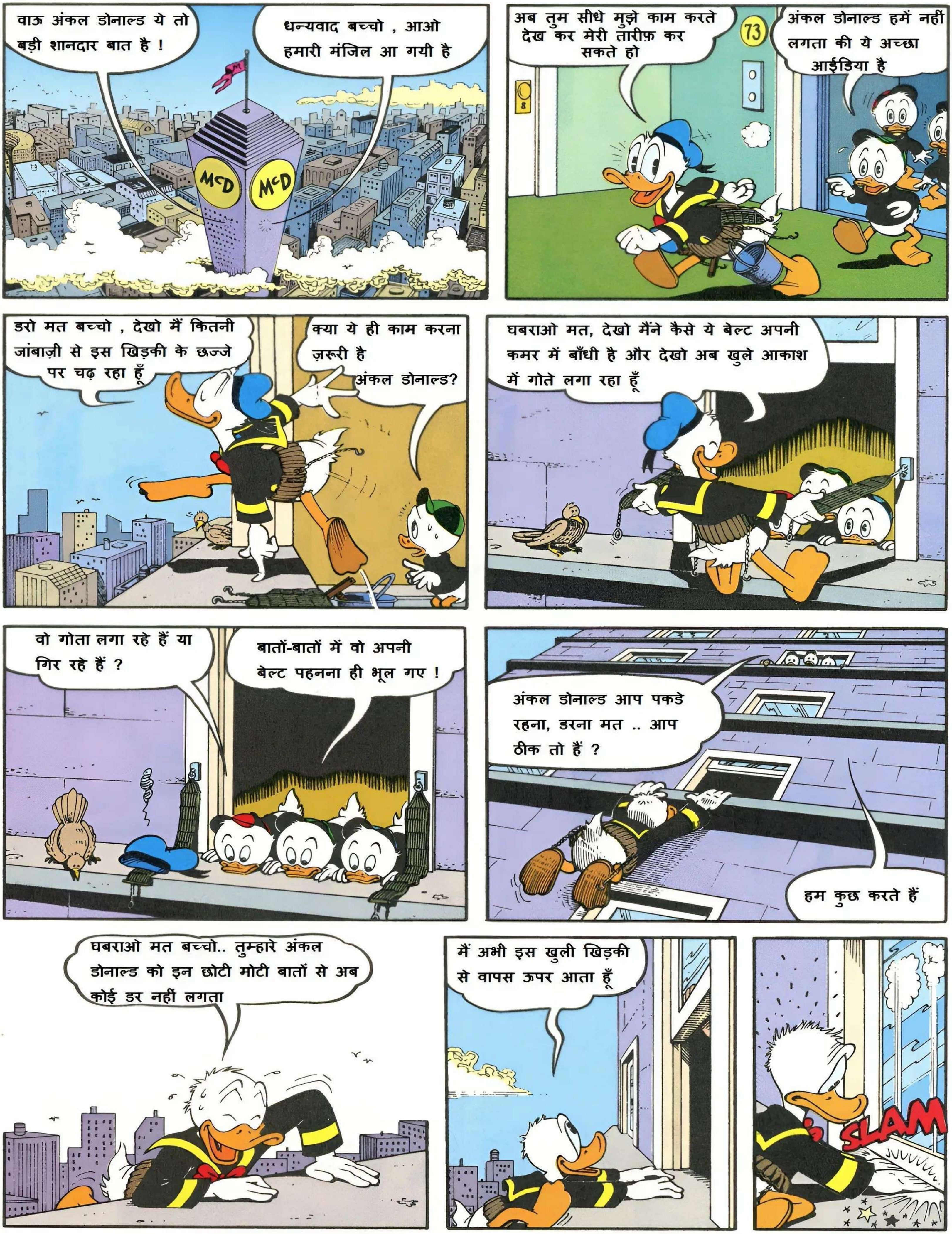
आखिर सेट प्रकाशित हुआ, और देखते ही देखते इसने सफलता के पिछले सारे कीर्तिमान ध्वस्त कर दिए ।, उस समय इसका मूल्य मात्र १५ रूपए था । इसकी तीन माह में पूरे भारत में लगभग ६ लाख प्रतियां हाथों हाथ बिक गयी, यानि इसकी सफलता का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पाठक हर माह इस कॉमिक्स के लिए ३० लाख रूपए खर्च कर रहे थे!! मेरे पास इस सेट की लगभग २०-२५ लोगों की आडवाणी बुकिंग थी इसलिए मैंने इस सेट की ४ प्रतियां मंगाई, और ये मुझे भी बड़ी मिन्नत से और डीलर से पुराने सम्बन्ध होने कारन मिल सकी। वैसे उस दिन तो मैंने तीन प्रतियों को पाठकों को किराये पर दे दिया उस समय १ कॉमिक्स १ घंटे के लिए और पूरा सेट ४ घंटे के लिए किराये पर दिया जाता था ।

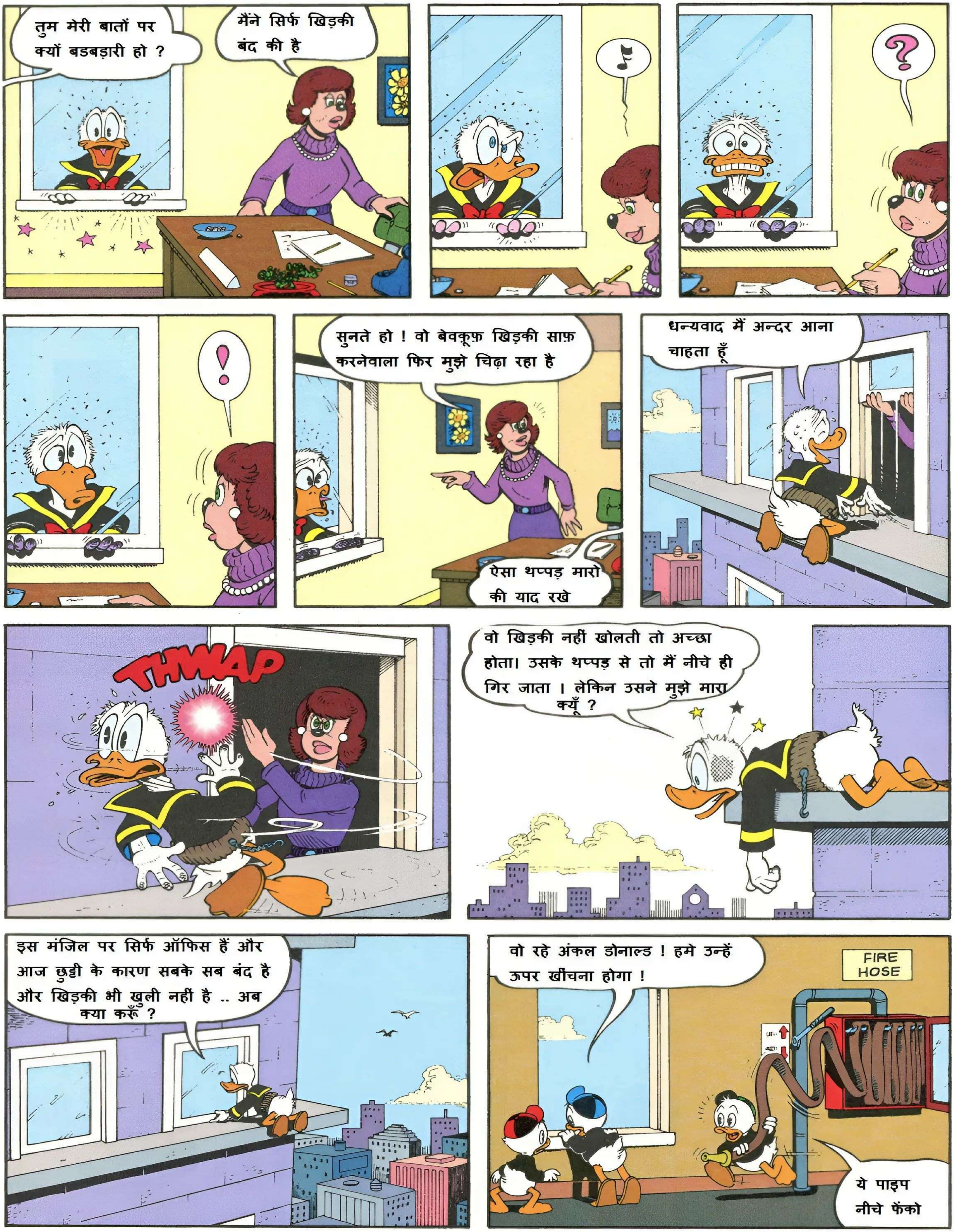
नए पाठको या जिन्हे हम जानते नहीं उन्हें दुकान पर बैठा कर पढ़वाते थे, इसलिए सेट की एक प्रति मैंने रोक ली थी किन्तु मैं स्वयं "बुगाकु" पढ़ने के लिए लालायित हो रहा था,इसलिए उसे पढ़ने बैठ गया !!! वाह क्या बढ़िया कहानी थी, थोडांगा और मिस किलर जैसे दो दिग्गज खलनायक और उनकी संयुक्त शक्ति से निर्मित एक अनोखी शक्ति बुगाकु जो की लड़ाई के सभी दांव पेचों में माहिर था और नागराजा वासुकि की खडग प्राप्त करके तो लगभग अजेय ही हो गया था और उसके अलावा कॉमिक्स का वो पंच जिसमे ध्रुव के पुराने सभी दुश्मनो से मुठभेड़ !! हालाँकि वे सब नकली थे और मिस किलर ने उन्हें अपनी मशीन से निर्मित किया था किन्तु फिर भी मज़ा बहुत आया, कहानी का अंत भी काफी मज़ेदार था । थोडांगा के जंगली लडके सूरमाओं से जोरदार टक्कर, ध्रुवा और नागराज को अपनी जान पर खेलना पढ़ा , थोडांगा, मिस किलर, और बुगाकु जैसे दिग्गजों को हराने के लिए !!

वाकई में पुराने दौर और पुरानी कॉमिक्सों का मज़ा ही कुछ और था ..


WALT DISNEY'S
UNCLE $CROOGE
in
INCIDENT AT McDUCK TOWER
मैकडक टावर डक्सबर्ग में सबसे ऊँची इमारत है ना अंकल स्क्रूज ?
हाँ लडकों!
McDUCK TOWER
KJU061-1 / D-90345
सबसे ऊपर ऑफिस हैं और नीचे के मालों में रहने के लिए फ्लैट्स .. अपने आप में एक छोटा शहर है
लेकिन ये इतना ऊँचा क्यों?
हाहाहा .. असल में ये टावर सिर्फ ३ मालों का होना था लेकिन उस वक्त बिल्डिंग का समान सस्ता था इसलिए इतना बना दिया !
और इतनी ऊँची बिल्डिंग के शीशे साफ़ करने के लिए चाहिए मुझ जैसे जांबाज़ और बहादुर लोग इसलिए मैंने अब ये पेशा शुरू किया है
आओ लडको, डोनाल्ड को काम करने दो तब तक हम म्यूजियम घूम कर आते हैं
McDUCK TOW
?
NO AUTOGRAPHS!


लेकिन मैं पहले अपने ऑफिस फ़ोन करके बता दूँ .... ओह मेरा सिक्का !
रोको ! पकड़ो कोई उस सिक्के को !
अंकल स्क्रूज वो सिर्फ एक रुपये का सिक्का है !
PLINK!
हाँ मुझे पता है की एक का सिक्का है .. तो ? कहना क्या चाहते हो ?
कंजूसी की भी हद्द होती है !
McDU
मुझे नहीं लगता की अब अंकल स्क्रूज फ्री होंगे ... उनका पूरा दिन उस सिक्के के पीछे निकलेगा
अंकल डोनाल्ड, आपको तो ऊंचाई से डर लगता था ना ? फिर ये काम ?
डर के आगे जीत है बच्चों
मैंने इस डर को धीरे-धीरे निकाला । पहले मैंने सबसे नीचे की मंजिल से शुरू किया और फिर एक-एक कर के ऊपर बढ़ता गया ...
और इस तरह मेरा पूरा डर कब गायब हुआ पता ही नहीं पड़ा और मैं टावर के सबसे ऊँचे एंटीना तक पहुँच गया


वाऊ अंकल डोनाल्ड ये तो बड़ी शानदार बात है !
धन्यवाद बच्चो , आओ हमारी मंजिल आ गयी है
अब तुम सीधे मुझे काम करते देख कर मेरी तारीफ़ कर सकते हो
73
अंकल डोनाल्ड हमें नहीं लगता की ये अच्छा आईडिया है
डरो मत बच्चो , देखो मैं कितनी जांबाज़ी से इस खिड़की के छज्जे पर चढ़ रहा हूँ
क्या ये ही काम करना ज़रूरी है अंकल डोनाल्ड?
घबराओ मत, देखो मैंने कैसे ये बेल्ट अपनी कमर में बाँधी है और देखो अब खुले आकाश में गोते लगा रहा हूँ
वो गोता लगा रहे हैं या गिर रहे हैं ?
बातों-बातों में वो अपनी बेल्ट पहनना ही भूल गए !
अंकल डोनाल्ड आप पकडे रहना, डरना मत .. आप ठीक तो हैं ?
हम कुछ करते हैं
घबराओ मत बच्चो.. तुम्हारे अंकल डोनाल्ड को इन छोटी मोटी बातों से अब कोई डर नहीं लगता
मैं अभी इस खुली खिड़की से वापस ऊपर आता हूँ
SLAM


तुम मेरी बातों पर क्यों बडबड़ारी हो ?
मैंने सिर्फ खिड़की बंद की है
सुनते हो ! वो बेवकूफ़ खिड़की साफ़ करनेवाला फिर मुझे चिढ़ा रहा है
ऐसा थप्पड़ मारो की याद रखे
धन्यवाद में अन्दर आना चाहता हूँ
THWAP
वो खिड़की नहीं खोलती तो अच्छा होता। उसके थप्पड़ से तो मैं नीचे ही गिर जाता । लेकिन उसने मुझे मारा क्यूँ ?
इस मंजिल पर सिर्फ ऑफिस हैं और आज छुट्टी के कारण सबके सब बंद है और खिड़की भी खुली नहीं है .. अब क्या करूँ ?
वो रहे अंकल डोनाल्ड ! हमे उन्हें ऊपर खींचना होगा !
FIRE HOSE
ये पाइप नीचे फेंको

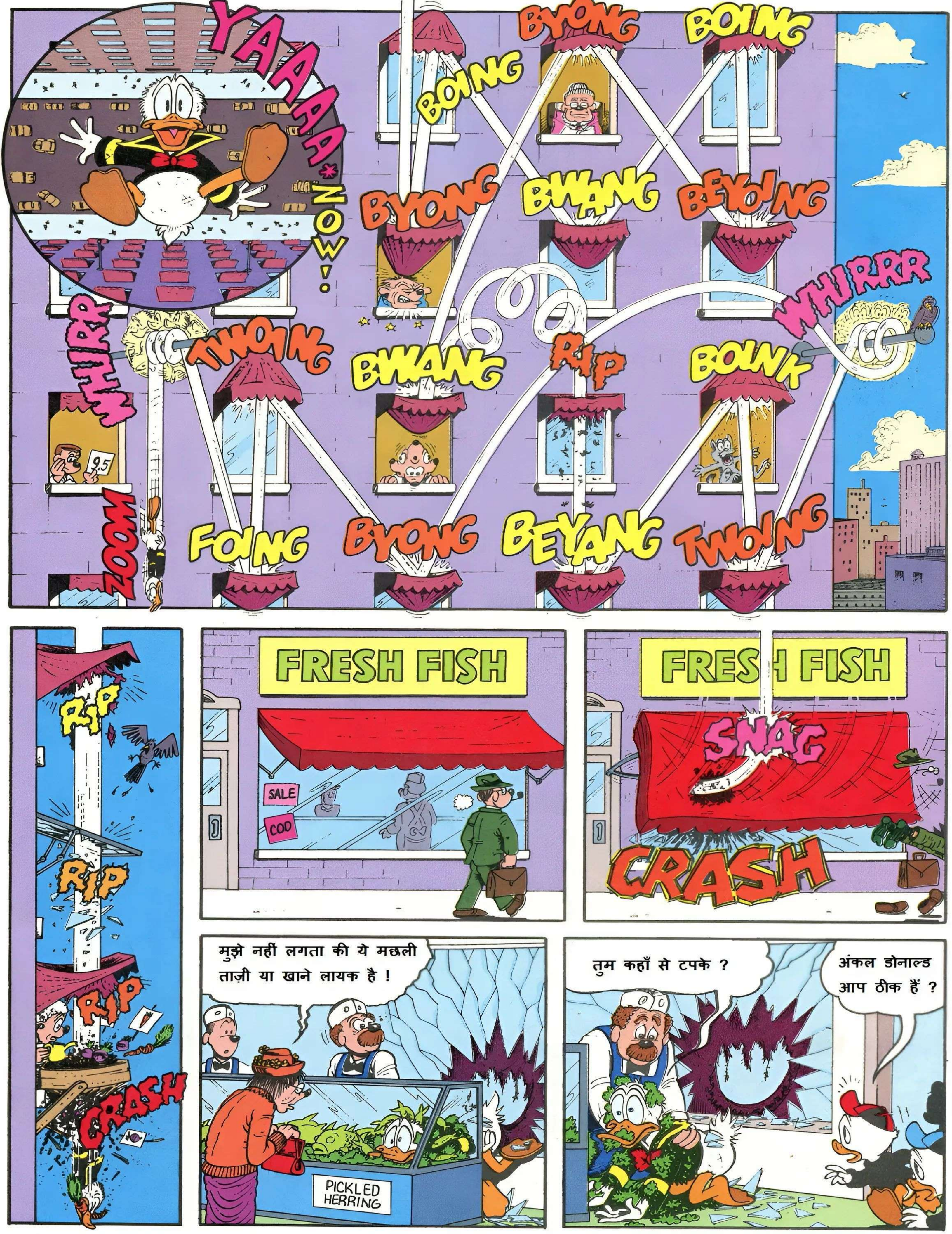


आप इसे पकड़ लीजिये ,
हम आपको बचायेंगे
वैसे तो मुझे तुम्हारी मदद नहीं चाहिए लेकिन तुम इतना जोर दे रहे हो तो ..
रुको पाइप फंस गया है , खींचना मत
OFF
ON
THWOOSH
ये क्या हो रहा है ?
ये क्या हो रहा है ?
WHOOSH
इन हालात से सिर्फ कमज़ोर दिल वाले डरते हैं ..
और मैं भी !
CLANK!
OFF
ON
इसे बंद करो ! कोई तो मुझे बचाओ !
ओह
ZOW
कल की सुर्खियाँ " एक दिलेर खिड़की साफ़ करने वाले की गिर कर मौत "


SPLAAT!
बच गया ! ये आदमी मुझे बचाएगा
आत्महत्या का प्रयास करनेवाला एक और मानसिक रोगी ? नर्स इसका नाम-पता ले लो और इसे कल कूदने को बोलो !
NOK NOK
तुम कबसे बीमार हो ? तुम डॉक्टर का भुगतान कैसे करोगे ?
ये लो , बस मुझे अन्दर आने दो !
SLAP
अंकल डोनाल्ड फिर किसी छज्जे पर है .. उम्मीद करो की हमारे पहुँचने तक वहीं रहें
डॉक्टर के फ़ोन के अनुसार वो आत्महत्या के प्रयास करने वाला डक इसी मंजिल पर है
आत्महत्या !
हम इस टावर की सिक्यूरिटी हैं .. इसे हम बचायेंगे
और बोनस मिलेगा अलग ..
हम पुलिस है ! इस डक को हम बचायेंगे


अरे खिंचो मत ! मैं गिर जाऊंगा !
घबराये नहीं हम आपको बचा लेंगे
छोड़ो उसे !
मैंने कहा ना हम ही इसे बचायेंगे !
बचाओ
MMF!!!
तुम्हारी इतनी हिम्मत ! हम पुलिसवाले हैं !
वो डक कहाँ गया ?
लगता है वो हमारे हाथों से छुट गया !
हमारा बोनस चला गया ... बहुहुहू
वो फिर अटक गया !
अंकल डोनाल्ड उस फ्लैग पोल पर लटके हैं !
जल्दी चलो !
अंकल डोनाल्ड खिड़की खुली है, आप यहाँ से अन्दर आ जाइये
जल्दी कीजिये , ये फ्लैग पोल ज़्यादा देर आपका भार उठा नहीं पायेगा
Eh... Eh... Eh... Eh...
?
CRACK


CRASH
FWAP
61
OUT OF ORDER
CLUNK
49
EMERGENCY EXIT
CRASH
BOING
FLOP
ZOOM
MAIL
?
MAIL
CLUNK
अंकल डोनाल्ड चमत्कारी ढंग से सीधे बिल्डिंग में फिंका गए !
नीचे क्या हो रहा है ?
और बड़ा चमत्कार ! अंकल डोनाल्ड दो मंजिल के बाद बिल्डिंग के अन्दर गिरे और उसके दस मंजिल बाद वो वापस बाहर लटक गए !
विश्वास नहीं होता !



YAAAAA
*ZOWW!
BOING
BYONG
BOING
BYONG
BWANG
BEYOING
WHIRR
TWOING
BWANG
RIP
BOINK
WHIRRR
9.5
ZOOM
FOING
BYONG
BEYANG
TWOING
RIP
RIP
RIP
CRASH
FRESH FISH
SALE
COD
FRESH FISH
SNAG
CRASH
मुझे नहीं लगता की ये मछली ताज़ी या खाने लायक है !
PICKLED HERRING
तुम कहाँ से टपके ?
अंकल डोनाल्ड आप ठीक हैं ?


आप अगली बार खिड़की साफ़ करने चढ़े तो संभल कर चढ़ना
हमारे बहादुर अंकल डोनाल्ड
YAAHH!
क्या हुआ ?
ये फुटपाथ बहुत ऊँचा है .. मुझे नहीं उतरना यहाँ से .. बचाओ !
धीरे-धीरे-धीरे .. हाँ बस उतर गया !
मैं कल ही ये नौकरी छोड़ दूँगा और रोड साफ़ करने की नौकरी कर लूँगा क्योंकि कम-से-कम यहाँ से तो नीचे नहीं गिरूंगा !
RESH FISH
हमें अंकल स्क्रूज को बता देना चाहिए की आज क्या हुआ और ये भी बता देना चाहिए की अंकल डोनाल्ड उनकी नौकरी छोड़ रहे हैं
WHIT
ये क्या ?
तुम कहाँ से टपके नालायक ?
End

फलक



आदत

वैभव चौहान

एक ही जगह अगर दो अजनबी अक्सर मिलते रहें तो वो हो जाती है ना मुस्कान शेयरिंग वाली पहचान, बस वैसी ही पहचान थी मेहता जी की उस नौजवान से.. अक्सर एक मैखाने में दोनों की शाम जवां हुआ करती थी, मेहता जी उसे इसलिए पसंद करते थे क्युकी वो भी उनकी तरह लिमिटेड ही लेता था, शायद दिन भर की थकान दो पैग में उतार के घर चला जाता। मेहता जी भी वहाँ से निकल कर बेरंगे ही नजर आते खैर.. हुआ यु की मेहता जी की सुकुमारी के लिए एक रिश्ता आया, उनकी श्रीमती जी बता रही थी..

"लड़का बैंक में मेनेजर है, भले लोग है हमारी तरह, वो भी शहर के शहर में, लड़का दिखने में भी अच्छा है ये देखिये फोटो"

(अरे ये तो उसी नौजवान की तस्वीर है.. मेहता जी चौक गए..जाने क्यों वो रिश्ता उन्हें कुछ जमा नहीं)

खैर.. उस दिन से मैखाने ने मेहता जी को मिस ही किया, पता नहीं व्यसन छुट गया या शाम कही और जवां होती है।

प्रणाम

विनय जयसवाल

अंशुमन लाइब्रेरी के बाहर खड़ा निहारिका का बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहा था।पूरे दो घंटे हो गये थे, मगर मैडम दूर-दूर तक नजर नहीं आ रही थी। मोबाइल भी स्वीच ऑफ आ रहा था।अब अंशुमन का डर बढता जा रहा था, कहीं निहारिका ने उसे गलत तो नहीं समझ लिया और दोस्ती खत्म करने की तो नहीं सोच ली।दरअसल कल बीच यूनिवर्सिटी में अंशुमन के दोस्तों ने दोनों को साथ देख, निहारिका को भाभीजी प्रणाम कह दिया था और उसके बाद वह कन्नी काटकर निकल गयी। इसके बाद से उसका फोन स्वीच ऑफ आ रहा था। वह सोचने लगा कि आखिर उसकी गलती क्या है? लेकिन उसने भी ठान लिया था कि वह यहीं उसका वेट करेगा, भले शाम हो जाय।करीब और डेढ़ घंटे बाद पीछे से किसी ने उसके कंधे में पर हाथ रखा तो देखते ही उसके होश उड़ गये, वहां निहारिका थी; उसके फेवरेट पिच कलर की साड़ी में, और वह छूटते ही बोली अब लग रही हूँ ना तुम्हारे दोस्तों की भाभी।अंशुमन बस मुस्कुरा कर रह गया, जो बात वह ढाई साल से यह सोचकर कह नहीं पा रहा था कि कहीं दोस्त न खो दे; दोस्तों ने उसकी पूरी कहानी लिख दी।



दबा कार्ड

अरविन्द दीक्षित

' बेटे ,तुम मेरे इकलौते !जो कुछ मेरे पास सब तुम्हारा ...."

'ओह सच !पापा फिर जल्दी दीजिये ,आपका ऐ टी एम कार्ड व पासवर्ड...'

'बेटा तू जन्म का जल्दबाज !मेरी पूरी बात तो सुन ....हा !सबकुछ तेरा ....पर मरणोपरांत ..'

किससे बाते कर रहा था मै ?यहाँ तो कोई भी नहीं ,हाय अर्थ मोह !

हथेली में दबा ऐ टी एम कार्ड पसीज उठा



Ruth / Amendola / D'Agostino / Yoshida / Grossman



कल मिलते हैं वेदरबी सर , गुड बाय
ज़रूर कल मिलते हैं .. गुड बाय बेट्टी , रेजी , वेरोनिका , जगहेड ..
.. आ आ आ ...
AH-AH-CHOO
मुझे मत देखो तुम लोग ... मैंने कुछ नहीं किया !!
मुझे लगता है की वेदरबी सर सच में मेरे नाम से एलर्जिक हैं !!!
आर्ची बेकार की बातें मत करो !
ये सिर्फ तुम्हारे मन का वहम है !
इतेफाक है !
लगता है आर्ची जवानी में ही सठिया गया है !


हाँ प्रिंसिपल सर ये एलर्जी ही है
GRK!
वो तो मुझे भी पता है की एलर्जी है लेकिन किससे ?
कहना मुश्किल है !
अब मैं क्या करूँ डॉक्टर ?
फ़िलहाल तो ध्यान रखिये आप क्या खाते हैं, क्या पीते हैं, किससे मिलते हैं, किसके पास खड़े होते हैं इत्यादि
हो ना हो ये एलर्जी आर्ची के कारण ही है !


ये समस्या सच में गंभीर है । एक हफ्ता हो गया है एलर्जी को !
वेदरबी सर, एक मिनट कृपया रुकिए ! मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूँ।
AH!
वेदरबी सर प्लीज सुनिए !
क्या आप मुझसे एलर्जिक हैं ?
CHOO!!


हाँ आर्ची अब तो ये बिलकुल पक्का है की मुझे तुमसे ही एलर्जी है !
तुमने भी वो सुना जो मैंने सुना ?
हाँ सच में .. विश्वास नहीं होता
खैर अब मुझे इस एलर्जी का समाधान मिल गया है । मुझे जितना हो सके आर्ची से दूर रहना है ।
सर क्या मैं आपसे बात कर सकती हूँ ?
हाँ ज़रूर, बोलो !
क्या आपकी "आर्ची-एलर्जी" छुआ-छूत की बीमारी की तरह फ़ैल सकता है ?
सच कहूँ तो मुझे पता नहीं...लेकिन हाँ एलर्जी की स्थिति में ऐसा हो सकता है की ये एक इंसान से दुसरे में चली जाये
अच्छी बात है .. तो फिर क्या आप कृपया कर ये रोग वेरोनिका को भी लगा देंगे ?

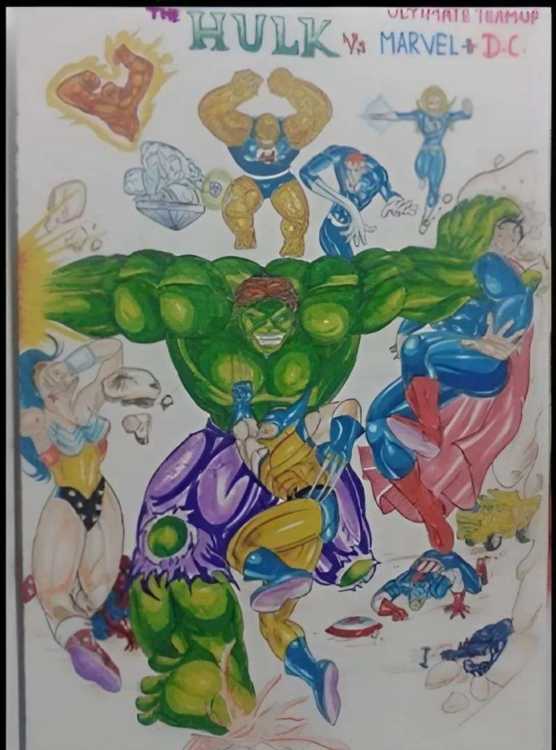
Fan Arts

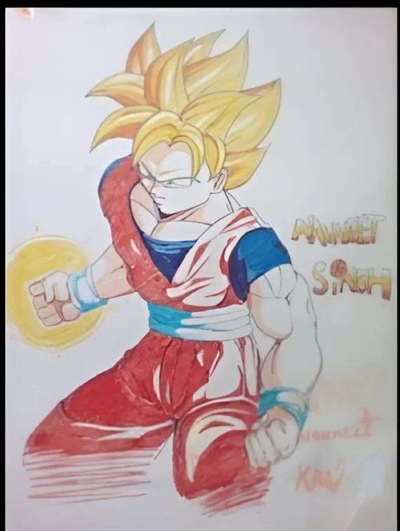


Prem Arts



Navneet Singh







Archie





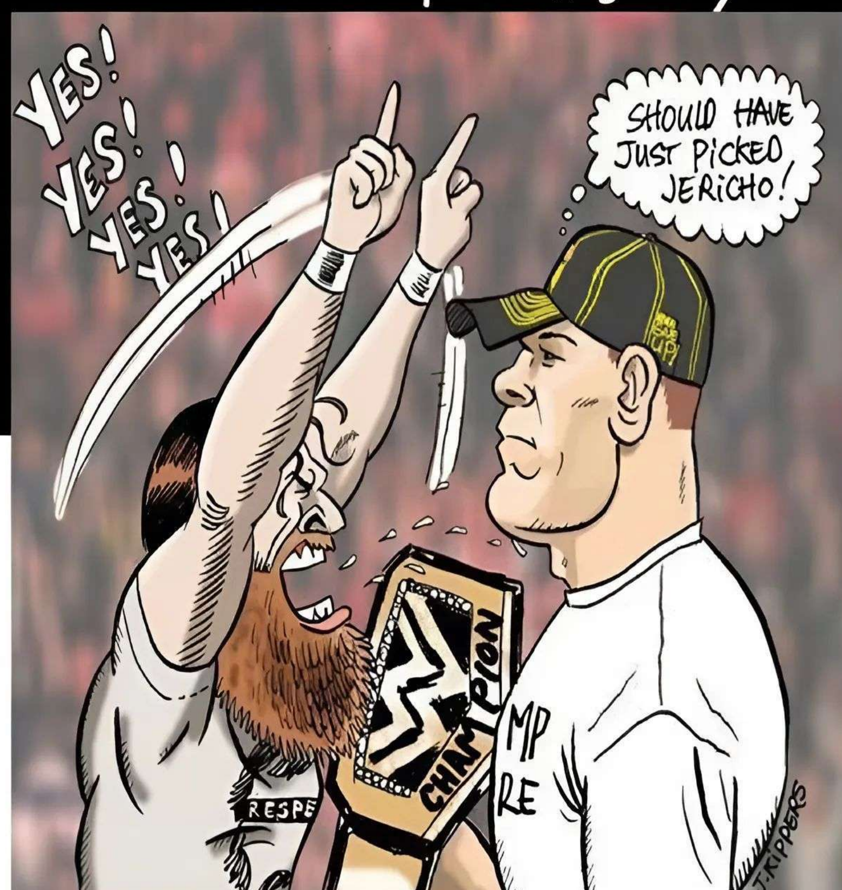


Ashutosh Singh Rajput





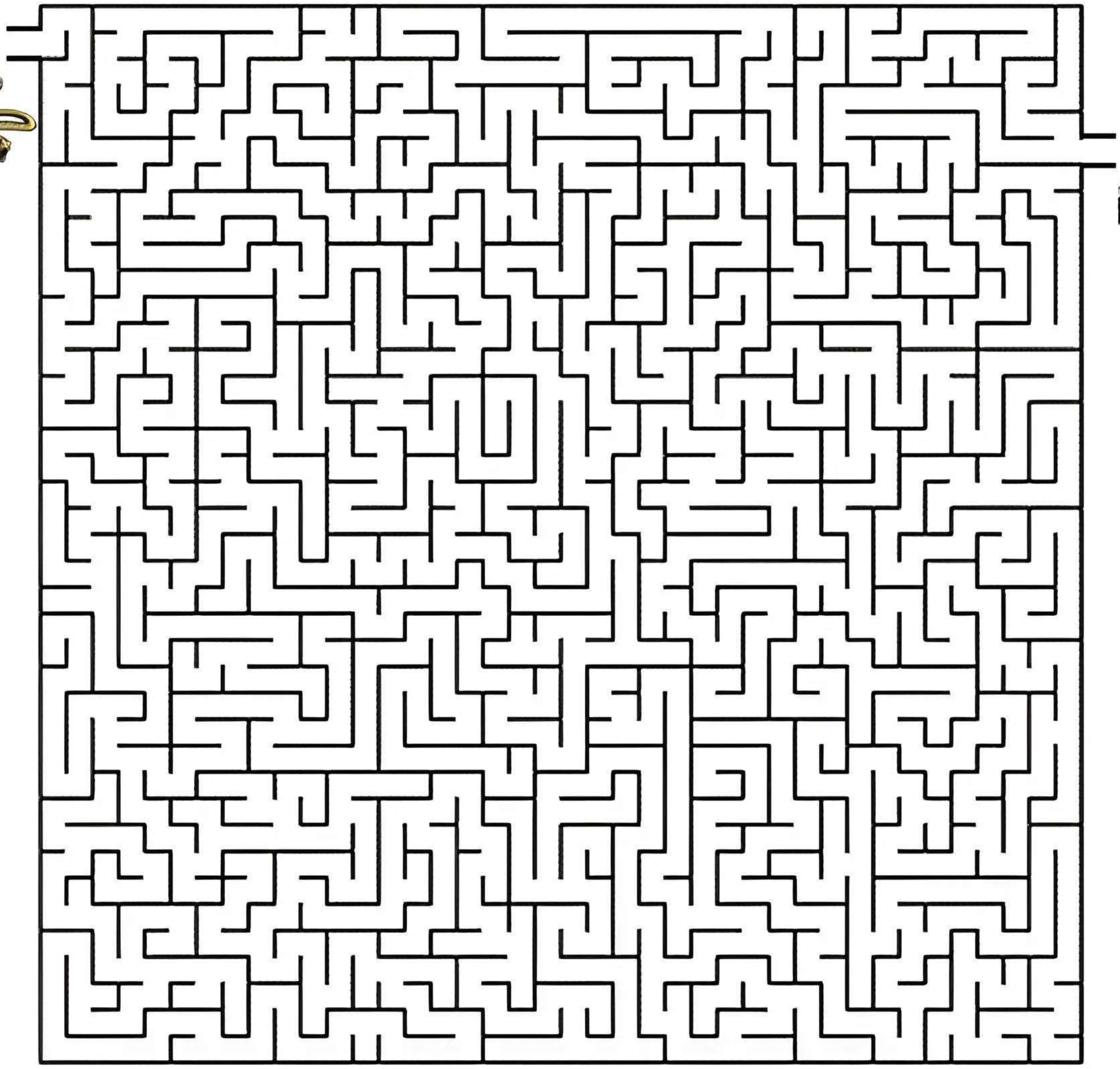
Sameer Lucky





नागराज की ग्रीन गोब्लिन को पकड़ने में मदद कीजिये

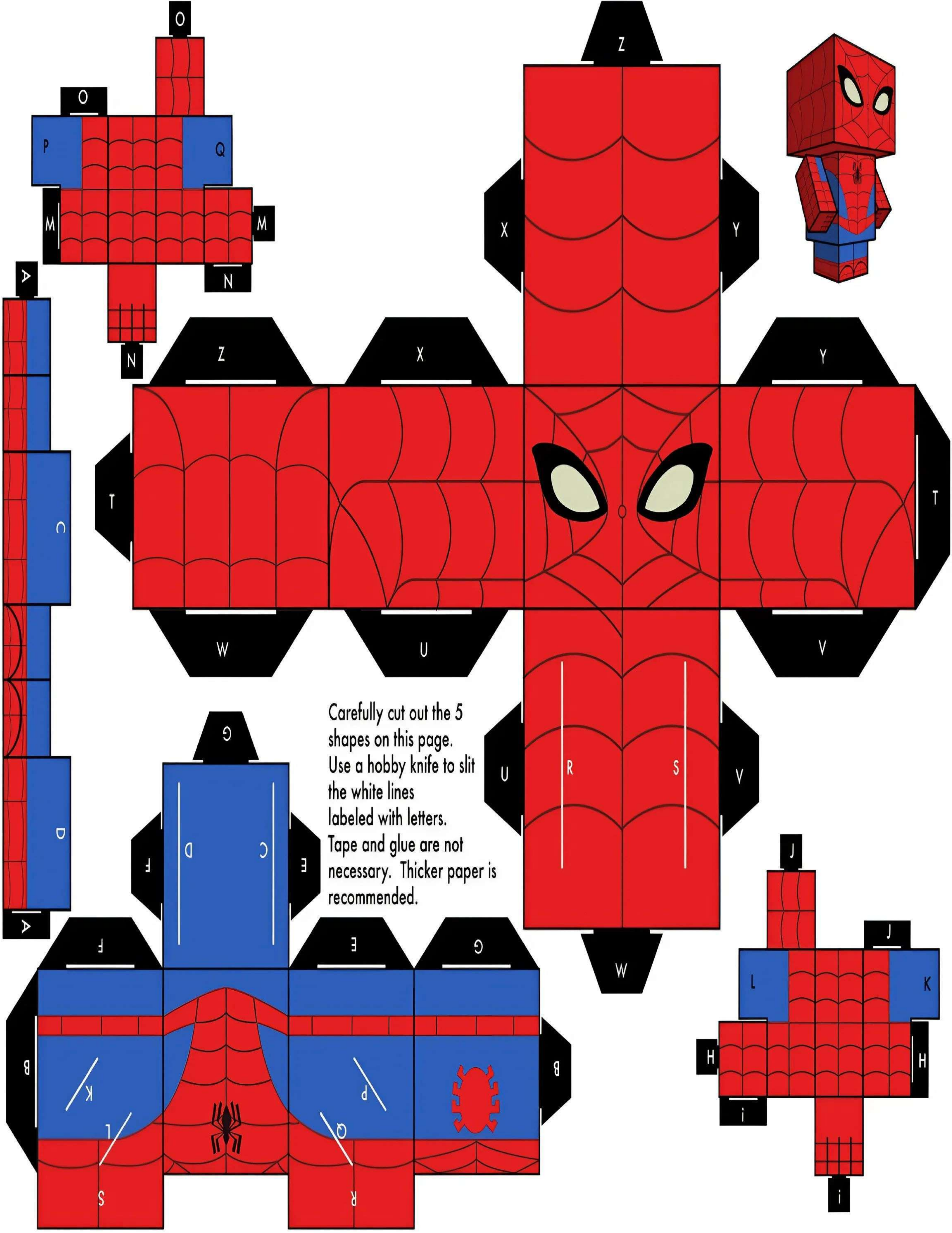








दिए गए चित्रों में पांच अंतर ढूंढिए



Carefully cut out the 5 shapes on this page. Use a hobby knife to slit the white lines labeled with letters. Tape and glue are not necessary. Thicker paper is recommended.


Comics Khazana
Issue 1 Year - May 2014
India's first Fan-made Monthly Comics Magazine
CK
Cover - B
First Mega Issue
Free Paper Toy Inside